राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 19 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–144 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पैर धुले, चरणों में बैठे और साथ में पूजा; मां के 100वें जन्मदिन पर घर पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन आज यानी शनिवार को 100वें वर्ष में प्रवेश कर रही हैं। इस मौके पर पीएम मोदी गांधीनगर स्थित आवास पर उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मां के पैर पखारे और उपहार में शाल भेंट की। हीराबेन का जन्म 18 जून 1923 को हुआ था। उन्होंने बड़ी मेहनत से अपने छह बच्चों को पाला है। पीएम मोदी के लिए भी मां से बढ़कर कुछ नहीं है। वे वैश्विक मंचों पर भी अपनी मां के संघर्ष को याद करना नहीं भूलते। ऐसा ही कुछ अमेरिका में हुआ था, जब वे मां के संघर्षों को याद कर भावुक हो उठे थे।

दूसरों के घरों में किया काम

पीएम मोदी की मां हीराबेन ने बड़े संघर्षों से अपनी संतान को पाला है। उन्होंने दूसरों के घरों में काम किया और उनके कपड़े धोए। फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा, मेरे पिताजी के निधन के बाद मां हमारा गुजारा करने और पेट भरने के लिए दूसरों के घरों में जाकर बर्तन साफ करती थीं और पानी भरती थीं। इस दौरान पीएम मोदी ने बताया कि उनकी मां की उम्र 90 साल

से अधिक हो गई है। फिर भी वह अपना काम खुद करती हैं। वह पढ़ी लिखी नहीं हैं। उन्हें टीवी पर देखकर देश और दुनिया में घट रही घटनाओं के बारे में पता चलता है।

विधानसभा चुनाव में मिली जीत के बाद मां से लिया आशीर्वाद–बता दें, हाल ही में संपन्न हुए चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद पीएम मोदी ने गुजरात पहुंचकर अपनी मां से आशीर्वाद लिया था। पीएम के साथ उनकी मां की तस्वीरें लोगों के दिलों को छू लेती हैं।

कभी पीएम मोदी के साथ नहीं रहीं हीराबेन–पीएम मोदी के पिता वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय का ठेला लगाते थे। उनके निधन के बाद सारी जिम्मेदारी मां के कंधों पर आ गई। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और दूसरों के घरों में काम करके बच्चों को पढ़ाया। हीराबेन इस समय अपने छोटे बेटे पंकज मोदी के साथ गांधीनगर में रहती हैं। वह आज तक कभी पीएम मोदी के साथ सरकारी आवास में नहीं रहीं।

● पीएम मोदी के लिए भी मां से बढ़कर कुछ नहीं है। वे वैश्विक मंचों पर भी अपनी मां के संघर्ष को याद करना नहीं भूलते। ऐसा ही कुछ अमेरिका में हुआ था, जब वे मां के संघर्षों को याद कर भावुक हो उठे थे।

मां के जन्मदिन पर भंडारे का आयोजन

पीएम मोदी की मां हीराबेन के जन्मदिन पर अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया है। वडनगर में भी हाटकेश्वर महादेव मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है। इस दौरान पीएम मोदी की मां की लंबी उम्र की कामना की जाएगी।

2016 में नारी सम्मान से सम्मानित

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन मोदी को 2016 में नारी सम्मान से सम्मानित किया गया था। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे मिलने पहुंचे थे। बताया जाता है कि जब भी पीएम मां से मिलने जाते हैं, मां उनको नेग में कुछ पैसे जरूर देती हैं। इसके अलावा, पीएम मोदी जब भी जीत हासिल करते हैं, तो मां से मिलने जरूर जाते हैं। इस दौरान मां उनका तिलक करती हैं।

पीएम मोदी ने मां को गिफ्ट में दी शाल

पीएम मोदी ने जन्मदिन पर अपनी मां से मुलाकात के दौरान उनकी पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मां के पैर पखारे और गिफ्ट में शाल दी। हीराबेन की छह संतानें हैं जिन इनके नाम पंकज मोदी, प्रहलाद मोदी, नरेन्द्र मोदी, अमृत मोदी, सोमा मोदी और वासंतीबेन हसमुखलाल मोदी है। उनके पोते का नाम सोनल मोदी है।

हीराबेन के नाम पर सड़क का नामकरण–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीराबेन के नाम पर गांधीनगर में एक सड़क का नाम रखा जाएगा। इसकी घोषणा गांधीनगर के मेयर हितेश मकवाना ने की। उन्होंने कहा कि रायसन क्षेत्र में 80 मीटर सड़क का नाम पूज्य हीरा मार्ग रखने का फैसला किया गया है।

बिहार की हिंसा में कोचिंग सेंटरों की भूमिका? अफसर बोले- जांच कर लेंगे ऐक्शन

पटना। पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा है कि अग्निपथ भर्ती योजना के विरोध में हिंसक प्रदर्शन करने वालों से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा। वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों को चिह्नित किया गया है। अशांति उत्पन्न करने वालों की पहचान की जा रही है। आठ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया है कि गिरफ्तार किए गए लोगों के मोबाइल पर कुछ कोचिंग सेंटरों के वीडियो फुटेज और व्हाट्सएप मैसेज मिले हैं। हम उस आधार पर कोचिंग सेंटरों की भूमिका की भी जांच कर रहे हैं। जिन कोचिंग संस्थानों की संलिप्तता होगी, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा है कि अर्द्धसैनिक बलों की पांच कंपनियां तैनात की गई हैं। उपद्रवियों पर सरकार की पैनी नजर है। रेल थाना द्वारा बताया गया कि उपद्रवियों द्वारा शुक्रवार को तीन इलेक्ट्रिक इंजन एवं एक डीजल इंजन में आग लगाई गई। रेलवे की 8 बोगियों को जला दिया गया। रेलवे स्टेशन परिसर में 8 निजी वाहनों में आग लगाया गया। डीएम ने कहा कि महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों को तैनात किया है। हम छात्रों से शांतिपूर्वक विरोध करने की अपील करते हैं। दानापुर रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ के आरोप में 170 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और 46 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि सेना की अग्निपथ योजना के खिलाफ शुक्रवार को बिहार के कई जिलों में तीसरे दिन भी जमकर उपद्रव हुआ। इस दौरान 27 रेलवे स्टेशनों पर तोड़फोड़ और आगजनी की गई तथा 14 ट्रेनों को फूंक दिया गया। पुलिस-प्रशासन के वाहनों के अलावा भाजपा नेताओं के घरों और दफ्तरों को भी निशाना बनाया गया। कई बसें आग के हवाले कर दी गईं तो कई जगह उपद्रवियों ने पत्थर बरसाए। बेगूसराय, खगड़िया समेत कई जिलों में एनएच जामकर आगजनी व तोड़फोड़ की गई। उपद्रव को देखते हुए राज्य के 15 जिलों में अगले 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

काबुल के गुरुद्वारे में आतंकी हमला, सुरक्षाकर्मी की मौत; सिर्फ 140 सिख बचे हैं अफगानिस्तान में

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी में एक गुरुद्वारे के अंदर इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग की है, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई है। दो लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। इसके अलावा 7 से 8 लोग अब भी फंसे हुए हैं। यह गोलीबारी काबुल के कार्त-ए-परवान गुरुद्वारे में हुई है। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और फंसे हुए आतंकियों से मुठभेड़ जारी है। भाजपा से निलंबित नेता की पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के बाद इस तरह के हमले की चेतावनी दी गई थी। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े इस्लामिक स्टेट्स खुरासान प्रांत की मीडिया विंग ने एक वीडियो जारी करके धमकी दी थी। इसने कहा कि 2020 के गुरुद्वारा हमले को दोहराया जाएगा। वीडियो में भारतीय समाचार टेलीविजन चैनल के साथ रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब के इंटरव्यू और अफगानिस्तान में भारतीय प्रभारी के साथ वित्त मंत्री अमीर मुत्ताकी की बैठक को लेकर भी तालिबान की आलोचना की गई।

2020 में गुरुद्वारा हमले में 27 सिख मारे गए –अगस्त 2021 में तालिबान की ओर से काबुल पर नियंत्रण करने के बाद से सिख समुदाय आतंकी संगठनों के हमलों के प्रति संवेदनशील हो गया है। भारत ने कार्त-ए-परवान सिखों को

निकालने के लिए समर्थन की पेशकश की थी और वर्तमान में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। मार्च 2020 में काबुल के शॉर्ट बाजार इलाके में श्री गुरु हर राय साहिब गुरुद्वारे में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों के घातक हमले में 27 सिख मारे गए और कई घायल हो गए थे। समुदाय के नेताओं का अनुमान है कि तालिबान शासित देश में सिर्फ 140 सिख रह गए हैं, जिनमें से ज्यादातर पूर्वी शहर जलालाबाद और राजधानी काबुल में हैं।

भाजपा को झेलनी पड़ सकती है इस चुनाव में अग्निपथ की पहली तपिश, नुकसान के आसार

चंडीगढ़। हरियाणा में 19 जून को होने वाले नगर निकाय चुनाव में भाजपा-जजपा गठबंधन को अग्निपथ के विरोध के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। नई भर्ती योजना का विरोध राज्य के अधिकतर हिस्सों में फैल गया है। इसके साथ ही गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए चुनौती बढ़ती जा रही है। भाजपा-जजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर भी रहेगी। वहीं, आम आदमी पार्टी भी सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती पेश कर रही है।

भाजपा-जजपा और आप के प्रत्याशी पार्टी के चुनाव चिह्न पर इलेक्शन लड़ रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के उम्मीदवार पार्टी के चुनाव चिह्न पर इलेक्शन नहीं लड़ रहे हैं।

● नई भर्ती योजना का विरोध राज्य के अधिकतर हिस्सों में फैल गया है। इसके साथ ही गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए चुनौती बढ़ती जा रही है। भाजपा-जजपा सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर भी रहेगी।

कांग्रेसी निर्दलीय के तौर पर चुनावी ताल ठोकेंगे। वहीं, AAP ने भाजपा-जजपा गठबंधन के खिलाफ लोगों की भावनाओं को भुनाने का फैसला किया है। हरियाणा आप प्रभारी सुशील गुप्ता ने आरोप लगाया, सेना में शामिल होना हरियाणवी युवाओं के लिए केवल नौकरी नहीं है। देश की सेवा करना उनके लिए गरिमा और सम्मान की बात है। अग्निपथ योजना भाजपा सरकार की युवा विरोधी भावनाओं को दर्शाती है।

अग्निपथ-प्रदर्शन के किसान आंदोलन का रूप लेने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने स्वीकार किया कि खाप और कृषि कार्यकर्ताओं के विरोध में शामिल होने से एमसी चुनावों में पार्टी के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भाजपा नेतृत्व चिंतित है कि वर्तमान अग्निपथ विरोध तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन का रूप ले सकता है, जब इसे लेकर सरकार को लोगों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा था।

CAPFs और असम राइफल्स में अग्निवीरों के लिए आरक्षित होंगी 10 प्रतिशत सीटें

उम्र सीमा में भी मिली छूट

● सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती के लिए अग्निवीरों को तय ऊपरी आयु सीमा से 3 साल की छूट दी जाएगी। वहीं, अग्निवीर के पहले बैच के लिए आयु में छूट निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से 5 वर्ष के लिए होगी।

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीएपीएफ और असम राइफल्स में अग्निवीरों की भर्ती के लिए 10 प्रतिशत सीटों को आरक्षित करने का फैसला किया है। इसके अलावा, सीएपीएफ और असम राइफल्स में भर्ती के लिए अग्निवीरों को तय ऊपरी आयु सीमा से 3 साल की छूट दी जाएगी। वहीं, अग्निवीर के पहले बैच के लिए आयु में छूट निर्धारित ऊपरी आयु सीमा से 5 वर्ष के लिए होगी।

रात 10 से सुबह 6 बजे तक कहीं भी न बजे लाउडस्पीकर; कर्नाटक एचसी ने दिया सख्त आदेश

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि कहीं भी लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच नहीं होना चाहिए। इस नियम का सख्ती से पालन होना चाहिए और ऐसा सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि धार्मिक स्थान, पब और रेस्तरां आदि को लेकर भी यह नियम लागू रहेगा। चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी और जस्टिस अशोक एस. किनागी की डिविजन बेंच ने अथॉरिटीज को आदेश दिया है कि वे एक अभियान चलाएं और लाउडस्पीकरों के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए। यही नहीं अदालत ने कहा कि जनता को संबोधित करने के सिस्टम या फिर म्यूजिक के यंत्रों का भी बेजा इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। हाई कोर्ट ने कहा कि प्रशासन ऐसे लोगों पर ऐक्शन ले और उसके क्या कार्यवाही की है, इसके बारे में तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपे। अदालत ने कहा, अथॉरिटीज को आदेश दिया जाता है कि वे जरूरी ऐक्शन लें। लाउडस्पीकर आदि का गलत इस्तेमाल न हो। रात को 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच तय डेसिबल से अधिक आवाज में कोई भी यंत्र नहीं बजना चाहिए। इससे पहले सुनवाई के दौरान अदालत में एक पक्ष ने कहा कि प्रशासन की ओर से कुछ संस्थानों और धार्मिक स्थानों को अवैध तरीके से स्थायी लाइसेंस दिया गया ताकि वे लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर सकें।

● उच्च न्यायालय ने कहा कि धार्मिक स्थान, पब और रेस्तरां आदि को लेकर भी यह नियम लागू रहेगा। चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी और जस्टिस अशोक एस. किनागी की डिविजन बेंच ने अथॉरिटीज को आदेश दिया है कि वे एक अभियान चलाएं और लाउडस्पीकरों के बेजा इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए।

हिंसक आंदोलन के बीच सेना प्रमुख बोले, दो दिन के अंदर आएगा नोटिफिकेशन

हालांकि सरकारी वकील ने इस बात का विरोध करते हुए कहा कि प्रशासन की ओर से कहीं भी ऐसा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि नॉइज पॉल्यूशन रूल्स ऐंड पुलिस ऐक्ट के तहत प्रशासन सभी पर समान कार्रवाई कर रहा है। किसी भी संस्था या धार्मिक स्थल को अलग से ऐसी कोई छूट नहीं दी गई है। इस पर अदालत ने कहा कि हम आपको आदेश देते हैं कि लाउडस्पीकरों के अवैध इस्तेमाल के खिलाफ अभियान चलाया जाए। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई तीन सप्ताह के बाद करने का फैसला लिया है। बता दें कि इस मामले में राकेश पी. ने 2021 में अर्जी दाखिल की थी।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से मौसम सुहावना, चेरापूंजी में 1995 के बाद रिकॉर्ड वर्षा; असम में बाढ़ से 54 की मौत

नई दिल्ली। बारिश ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में मौमस सुहावना कर दिया है। इससे लोगों को प्रचंड गर्मी और हीटवेव से राहत मिली है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर चलता रहेगा। दरअसल, बीते दिनों एक पश्चिमी विक्षोभ तेजी से सक्रिय हुआ, जिसकी वजह से मौसम ने करवट ली और बारिश का दौर शुरू हो गया। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। हालांकि, असम में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से हालात बेहद खराब हो गए हैं, जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

राजस्थान में 22 जून तक बारिश

राजस्थान में जारी बारिश का दौर 22 जून तक बने रहने की संभावना जताई जा रही है। इस समय राजधानी जयपुर का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस है। राजस्थान के ज्यादातर शहरों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान में 22 जून तक बारिश होने की संभावना है। पारा 30 डिग्री के आसपास ही बना रहेगा और बादल छाए रहेंगे।

चेरापूंजी में भी रिकार्ड बारिश

इन दिनों मानसून की बारिश पूर्वोत्तर के राज्यों में परेशानी का सबब बनकर आई है। मेघालय के चेरापूंजी में शुक्रवार को 972 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो जून में वर्ष 1995 के बाद से सबसे अधिक है। मौसम विभाग के मुताबिक, 122 सालों में तीसरा सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि अगले कुछ दिन मेघालय में मौसम ऐसा ही बना रहने की संभावना है।

हरियाणा में बारिश से किसान खुश

मेघालय में बारिश जहां लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी, वहां हरियाणा में प्री-मानसून की वर्षा आने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। धान की रोपाई में वर्षा से जल की पूर्ति के लिए सहायक होगी। हरियाणा के ज्यादातर शहरों में दो से तीन दिनों तक मौसम का ऐसा ही प्रभाव देखने को मिलने की उम्मीद है। हरियाणा में गरज चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना के साथ वर्षा भी होगी।

पंजाब में बारिश से 6 डिग्री तक गिरा तापमान

पंजाब के अधिकतर जिलों में गुरुवार रात से ही बारिश शुरू हो गई थी। इससे दिन का तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। पंजाब में भी पश्चिमी विक्षोभ प्रभावी रूप से सक्रिय हुआ है। 21 जून तक इसका असर पंजाब पर रहेगा। शनिवार व रविवार को भी पंजाब के ज्यादातर जिलों में आंधी व बारिश की संभावना है।

असम में बाढ़ से 54 की मौत

असम में भारी बारिश के बाद हालात बेहद खराब हो गए हैं। लगातार भारी बारिश के चलते बाढ़ आने से कई रास्ते बंद हो गए हैं। लोगों को घरों में रहने की हिदायत दी जा रही है। भारी बारिश के चलते कई जगह भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिल रही है। बाढ़ से लगभग 19 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, शुक्रवार को असम में बाढ़ के कारण नौ और लोगों की मौत हो गई, जिससे कुल मरने वालों की संख्या 54 हो गई।

उत्तर भारत में 21 जून तक रहेगा बारिश का दौर

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में आज सुबह की शुरुआत वर्षा से हुई। यह क्रम 21 जून तक चलते रहने की संभावना। हिमाचल प्रदेश में लाहुल-स्पीति जिले को छोड़कर बाकी सभी जिलों में आंधी चलने और बिजली गिरने के साथ वर्षा की चेतावनी, तापमान में गिरावट आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है। - गौतम बुद्ध

संपादकीय

नौकरी ही नौकरी

ऐसे वक्त में जब देश कोरोना संकट से उपजी बेरोजगारी और रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित विश्व आपूर्ति श्रृंखला से उपजी महंगाई की त्रासदी से जूझ रहा है, केंद्र सरकार द्वारा बेरोजगारों के लिये नौकरियों का पिटारा खोलना सुकून देने वाला है। शायद यह पहली बार है कि एक साथ 10 लाख सरकारी नौकरियों की भर्ती करने की घोषणा हुई हो। साथ ही सेना के तीनों अंगों में 'अग्निपथ योजना' के तहत 46 हजार 'अग्निवीरों' की भर्ती की घोषणा सेनाओं में भविष्य तलाशने वाले युवाओं की उम्मीदों को पंख लगाने जैसा ही है। हालांकि, इस योजना के व्यावहारिक व दूरगामी पहलुओं को लेकर विमर्श जारी है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना संकट से बेरोजगारी में अप्रत्याशित उफान आया। देशव्यापी सख्त लॉकडाउन ने इस संकट में इजाफा किया। बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरी गई तो कई लोगों को कम वेतन पर काम करना पड़ा। यहां तक कि वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही में बेरोजगारी दर 23.5 तक जा पहुंची थी। वहीं इससे पहले वर्ष 2016 में नोटबंदी के चलते भी बेरोजगारी में इजाफा हुआ था। ऐसे में डेढ़ साल में दस लाख नौकरियों की घोषणा बड़ा राहतकारी फैसला है। हालांकि, इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि इस साल कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में चुनाव होने हैं। वहीं जब तक दस लाख भर्तियों की डेढ़ साल की प्रक्रिया पूरी होगी, तब तक 2024 के महासमर की दुंदुभी बज चुकी होगी। बहरहाल, इसके बावजूद देश में दुनिया की सबसे तेज अर्थ व्यवस्था के दावे के बावजूद रोजगार के अवसरों का सृजन न हो पाना विकास के मॉडल पर सवालिया निशान लगा रहा था। ऐसे में इस घोषणा को सुखद ही कहा जायेगा कि दिसंबर 2023 तक भर्तियों का काम पूरा कर लिया जायेगा। जरूरत इस बात की है कि चयन की प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसी तरह की अनियमितताओं की गुंजाइश न रहे। यही सरकार की घोषणा की सार्थकता को सिद्ध करेगा। दरअसल, पिछले दिनों संसद में बताया गया था कि केंद्र सरकार के अधीन चालीस लाख स्वीकृत पदों में से 8.72 लाख पद खाली हैं। यदि इसमें राज्यों के आंकड़ों को भी जोड़ लिया जाये तो संख्या बड़ी हो सकती है। निस्संदेह, आज भी देश के युवाओं की पहली प्राथमिकता सरकारी नौकरी ही होती है, उनके लिये तो यह सुनहरा अवसर जैसा ही है। दरअसल, देश में केंद्र सरकार के अधीन आने वाले पांच बड़े विभागों रक्षा, गृह, डाक, रेलवे व राजस्व डिपार्टमेंट में ही कुल 92 फीसदी नौकरियां उपलब्ध होती हैं। लेकिन ऐसे वक्त में जब बढ़ती आबादी के साथ विश्व की प्रगति के साथ कदम से कदम मिलाना जरूरी है तो हमें निजी क्षेत्र में भी रोजगार के बड़े अवसर सृजित करने होंगे। निस्संदेह सरकारी नौकरियों की एक सीमा होती है। उसकी उत्पादकता के प्रश्न पर भी मंथन जरूरी है। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जिससे निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ें। निस्संदेह, युवाओं के देश में बेरोजगारी संकट एक गंभीर चुनौती थी। तभी विभिन्न विभागों,मंत्रालयों में मानव संसाधनों की स्थिति की समीक्षा के बाद ही दस लाख नौकरियों की घोषणा की गई है। अब जरूरत इस बात की है कि भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी न हो,यह सरकार की साख के लिये भी जरूरी है। विगत में तमाम भर्ती परीक्षाओं में पेपर आउट होने के मामले उजागर हुए हैं। साथ ही सरकारी नौकरियों में जवाबदेही तय करने की भी जरूरत है क्योंकि इस नौकरी के साथ आरामतलबी का मिथ चस्पां है। इसके साथ जरूरी है कि राज्यों में भी ऐसे अभियान बेरोजगारी संकट को दूर करने के लिये चलाये जाएं। खासतौर पर आवश्यक सेवाओं मसलन चिकित्सा,शिक्षा व पुलिस जैसे विभागों में रिक्त पदों को भरने को प्राथमिकता दी जाये।

आज के कार्टून

महत्त्वाकांक्षा

आचार्य रजनीश ओशो

जिंदगी में प्रत्येक व्यक्ति के भीतर, उसके व्यक्तित्व के भीतर कुछ होने की संभावना है। प्रत्येक के भीतर! और जिस दिन भी दुनिया में गैर-महत्त्वाकांक्षी समाज होंगे, उस दिन दुनिया में बहुत लोग प्रफुल्लता को उपलब्ध होंगे, आनंद को उपलब्ध होंगे, प्रसन्नता को उपलब्ध होंगे। वह जो काम..जो उनके भीतर था, जो निकलेगा और अभिव्यक्ति होगी तो वे कुछ खिलेंगे। जैसे हर फूल खिल जाता है तो एक खुशी और सुवास देने लगता है। लेकिन मनुष्य-जाति में बहुत कम फूल खिलते हैं। खिल ही नहीं सकते। महत्त्वाकांक्षा ने सारी जड़ें तोड़ डाली हैं। आप अपने बच्चों को प्रेम करते हैं तो एक कृपा करना, उनको महत्त्वाकांक्षा मत सिखाना। इससे बड़ी शत्रुता और कोई नहीं हो सकती कि कोई मां-बाप अपने बच्चों को महत्त्वाकांक्षा सिखाए क्योंकि महत्त्वाकांक्षा उनके जीवन को जहर की भांति नष्ट कर देगी और यह जहर अंतिम रूप में राजनीति में प्रकट भी हो रहा है। एक नये मनुष्य को जरूर ही पैदा होना चाहिए क्योंकि जीवन बहुत बोझिल और दुखी है। और वह नया मनुष्य किसी बिल्कुल नये आधारों पर विकसित हो सकता है। इन पुरानी परिपाटियों पर नहीं, इन लीकों पर नहीं जो अब तक चलती रही हैं। ये सारी लीकें खतरनाक हैं, और टूट जानी चाहिए, और ये सारी कड़ियां जला देने योग्य हैं। और मनुष्य का अतीत शुभ नहीं रहा है, सुंदर नहीं रहा है; लेकिन उसका भविष्य सुंदर हो सकता है। लेकिन आकस्मिक रूप से नहीं हो जाएगा यह। यह कोई नियति नहीं है कि अपने आप हो जाएगा। कोई आकाश के ऊपर से आदेश नहीं आएंगे कि अब सब ठीक हो जाएगा। हमें बहुत कुछ बदलाहट करनी होगी। मनुष्य के चित्त को जिन ईंटों से हम बनाते हैं, वे बदलनी होंगी। मनुष्य को जो हम ढांचे देते हैं, वे बदलने होंगे। और अगर एक सुंदर और स्वस्थ भविष्य लाना है तो हमें पूरी-पूरी परंपराएं फिर से विचार कर लेनी होंगी। उनमें बहुत कुछ कचरा है जो जला देने योग्य है, बहुत कुछ गलत है, बहुत कुछ बीमार है, जो नष्ट कर देने योग्य है। और जब तक इतना विद्रोह और विचार नहीं है तब तक हम इसी कोल्हू के बैल की भांति अपने बच्चों को भी पेरेंगे, उनके बच्चों को वे पेरेंगे। और दुनिया में एक अद्भुत बीमारी, महारोग चल रहा है हजारों साल से, जो शायद आगे भी चलता रहेगा। इसे तोड़ने के लिए कुछ चिंतन और विचार आवश्यक है।

अग्निपथ योजना के सुलगते सवाल

शंभूनाथ शुक्ल

केंद्र सरकार ने डेढ़ साल के भीतर दस लाख सरकारी नौकरियां देने की घोषणा की है। विभिन्न विभागों में इतनी नौकरियां संभवतः पहली बार दी जाएंगी। इनमें सबसे प्रमुख है, सेना के तीनों अंगों में 46000 जवानों की भर्ती। ये जवान चार साल के लिए नियुक्त किए जाएंगे। सेना में भर्ती की यह नई प्रक्रिया है। इसके पहले सेना में सेवा कम से कम 17 वर्ष के लिए होती थी। इस सेवा के लिए उम्र साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच रखी गई है। पहले वर्ष इन जवानों को 30 हज़ार रुपए प्रति माह मिलेंगे और सेवा मुक्ति के समय उनका वेतन 40000 रुपए होगा। चार वर्ष बाद उन्हें 17.71 लाख रुपए का टैक्स फ्री सेवा निधि पैकेज दे कर मुक्त कर दिया जाएगा। भर्ती के समय शैक्षिक योग्यता 10वीं पास को अनिवार्य रखा गया है। सेवा काल के इन चार वर्षों में शस्त्र संचालन की विधिवत ट्रेनिंग तो उन्हें मिलेगी ही, 12वीं पास का प्रमाणपत्र भी मिलेगा। निश्चित तौर पर यह आकर्षक सेवा है। युवा इसे लेकर बहुत उत्सुक व उम्मीदों से भरे हैं। मगर विरोधी राजनीतिक दल और कुछ सैन्य विशेषज्ञ इसे सही नहीं मान रहे। तर्क है, कि अल्पकालिक सेना लाखों युवकों को बेरोज़गार कर देगी। साढ़े 17 वर्ष का किशोर जब युवा होकर इस सेना से निकलेगा तब उसके समक्ष नौकरी का संकट होगा। क्योंकि चार साल में उसकी शैक्षणिक योग्यता सिर्फ़ बारहवीं की होगी और ट्रेनिंग के नाम पर महज़ हथियार चलाना उसे आता होगा। यह सैन्य प्रशिक्षित युवाओं की भीड़ बाहर आ कर अराजक नहीं हो जाएगी, इसकी क्या गारंटी। लेकिन विरोध करने वाले भी पुख़्ता तौर पर कुछ नहीं बोल पा रहे। अलबत्ता राजनीतिक विरोधियों की बात अलग है। यूं इस सेवा का प्रारूप आकर्षित तो करता है। साढ़े 17 वर्ष की उम्र से एक किशोर को 30000 रुपये प्रतिमास कमाने लगना और हर वर्ष इस आय में 3-3 हज़ार रुपए हर महीने की बढ़ोतरी तथा चौथे वर्ष में 40000 रुपये वेतन का हो जाना किसी भी निम्न मध्य वर्गीय परिवार को लुभाएगा। इसलिए लोग इस सेवा में भर्ती होने की क़तार में आ गए हैं। हालांकि इसके लिए भर्ती कुछ समय बाद होगी। एक नज़र में यह सेवा अनिवार्य सैन्य सेवा की तरह प्रतीत होती है। इसकी भर्ती भी सेना की अखिल भारतीय चयन समिति करेगी। अर्थात नियमित सेवा और इस सेवा के चयन की पद्धति समान होगी। किंतु इस सेवा में कार्यकाल बहुत संक्षिप्त है और पेंशन व ग्रेच्युटी का भी प्रावधान नहीं रखा गया है। मालूम हो कि प्रथम विश्व युद्ध के समय 1914 में यूरोप में अनिवार्य सैन्य सेवा शुरू हुई थी और आज भी कई मुल्कों में जारी है। कम्युनिस्ट शासन वाले देशों में तो शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण हर एक को लेना ही पड़ता है। वैसे पहले भी एनसीसी के तहत शस्त्र संचालन का थोड़ा-बहुत प्रशिक्षण दिया जाता था। लेकिन उससे युवाओं की शिक्षा प्रभावित नहीं होती थी। पर इस तरह से जो नई भर्ती की जा रही है, उससे उनकी पढ़ाई बाधित होगी। वे सैन्य प्रशिक्षण तो पा जाएंगे, परंतु उनका भविष्य बहुत उन्नत नहीं होगा। सेना किसी भी राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण अंग है, वह न केवल राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करती है, बल्कि उस देश की सीमाओं की भी। कई बार आंतरिक संकट में भी उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में सेना में यह नया प्रयोग होगा। सरकार ने अभी यह साफ़ नहीं किया है, कि चार वर्ष में ये जवान कौन-कौन से शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण पाएंगे। और क्या सेना की पूर्णकालीन भर्ती तो बाधित नहीं होगी? सेना के पूर्णकालिक जवानों और इस संविदा सेवा वाले भर्ती के जवानों के बीच कोई विभाजन रेखा होगी? सवालों के समाधान तक सैन्य विशेषज्ञ इस सेवा को संदेह की नज़रों से देखते रहेंगे। लेफ़्टिनेंट जनरल पीआर शंकर ने इसे 'किंडरगार्टेन आर्मी' कहा है। उनके अनुसार इस योजना के तहत किन-किन हथियारों को चलाने का प्रशिक्षण जवानों को मिलेगा, यह स्पष्ट नहीं है क्योंकि ब्रह्मोस, पिनाका, वज्र आदि हथियार चलाना आसान नहीं है। वैसे आज भी विश्व के तमाम देशों में से 15 में अनिवार्य सैनिक सेवा है। और ये देश हैं—इस्राइल, बरमूडा, ब्राज़ील, साइप्रस, ग्रीस, ईरान, नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया, मेक्सिको, रूस, सिंगापुर, स्विट ज़रलैंड, थाइलैंड, तुर्की और संयुक्त अरब गणराज्य। इनमें से चीन के बारे में अधिकृत जानकारी बाहर नहीं आ पाती। इस्राइल में ढाई वर्ष की यह अनिवार्य सैनिक सेवा पुरुषों के लिए है और दो वर्ष की सेवा स्त्रियों के लिए भी। इस दौरान उन्हें सारे शस्त्रों के संचालन की शिक्षा दी जाती है। बरमूडा अभी भी यूनाइटेड किंगडम की सेना है किंतु उसके यहां वहां के नागरिकों के लिए अनिवार्य सैनिक सेवा का नियम है। 18 से 32 वर्ष की उम्र के लोगों को यह ट्रेनिंग मिलती है। चयन लॉटरी से होता है। बरमूडा में यह सेवा 32 महीने की है। ब्राज़ील में तो 18 साल पूरे होते ही युवाओं को एक वर्ष की सैनिक शिक्षा दी जाती है। स्वास्थ्यगत आधार पर छूट मिलती है या फिर विश्वविद्यालयी शिक्षा लेने वालों को। लेकिन जैसे ही वह युवक शिक्षा पूरी कर लेता है, सैन्य प्रशिक्षण उसे लेना ही पड़ता है। साइप्रस में यह सेवा 2008 से लागू की गई और हर युवा के लिए अनिवार्य है। और वहां रह रहे हर एथिनिक व भिन्न धार्मिक समुदाय वालों को भी प्रशिक्षण लेना पड़ता है। ग्रीस में 19 से 45 वर्ष की उम्र वालों को अनिवार्य सैनिक सेवा में जाना आवश्यक है। ईरान में दो साल का प्रशिक्षण मिलता है। उत्तरी कोरिया में यह ट्रेनिंग 14 से 17 की उम्र के बीच शुरू होती है और युवा को 30 वर्ष की उम्र तक सैन्य प्रशिक्षण लेना पड़ता है। साउथ कोरिया में यह उम्र 18 से 28 है। मेक्सिको में 12वीं पास करने के बाद सैन्य ट्रेनिंग दी जाती है। सिंगापुर में तो राष्ट्रीय सेवा (एनएस) की ट्रेनिंग न लेने वालों को 10 हज़ार डॉलर का जुर्माना देना पड़ता है अथवा तीन साल की जेल। कुल मिलाकर अधिकांश देशों में इस तरह की मिलिटेरी ट्रेनिंग मिलती है। भारत में इसे रोज़गार स्कीम के तहत किया जा रहा है, यह थोड़ा चिंताजनक है। न तो इसे अनिवार्य सैनिक शिक्षा स्कीम के तहत रखा गया है, न यह विधिवत रोज़गार है। इसलिए लोगों को लगता है कि ट्रेनिंग के बाद जब ये युवक सेवा मुक्त होंगे तब क्या करेंगे? हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भरोसा दिया है, कि इस स्कीम के तहत थल, वायु और नभ सेनाओं में भर्ती जवानों में से 25 प्रतिशत को नियमित सेना में ले लिया जाएगा और शेष को कुछ ऐसा प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ताकि उन्हें रोजगार पाने में दिक़्क़त न हो। उन्हें आईटीआई ट्रेंड किया जाएगा। इस सेवा का नाम अग्निपथ रखा गया है और इसमें चयनित जवानों को अग्निवीर कहा जाएगा। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि कोरोना काल में भर्ती रुकने के बाद सेना में भर्ती हेतु इस सेवा से ज़रिया खोला गया है। महिलाओं को भी इस टूर ऑफ़ ड्यूटी में लिया जाएगा। यह भी बताया गया कि वेतन का 30 प्रतिशत सेवानिधि पैकेज के लिए हर जवान का कटेगा और इस निधि में सरकार का अंशदान भी इतना ही होगा। ऊपरी तौर पर फ़िलहाल यह एक आकर्षक सेवा है, मगर सरकार इस स्कीम के भविष्य को लेकर कुछ और पारदर्शी बने तो यह एक अभिनव प्रयोग होगा। अग्निपथ के अग्निवीर निश्चय ही भविष्य के वे युवा होंगे जो हथियार चलाने की ट्रेनिंग से लैस होंगे। इसके साथ ही उनके पास व्यावसायिक प्रशिक्षण भी होगा, जिसके चलते वे स्वरोज़गार का सृजन भी कर सकेंगे। इस पर अंगुलियां उठी हैं लेकिन सरकार की मंशा को देखते हुए यह तो कहा ही जा सकता है कि ऐसे प्रशिक्षणों से रोज़गार का संकट दूर किया जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आंसू बहाना प्याज उत्पादकों की नियति

पंकज चतुर्वेदी

महाराष्ट्र के नासिक की सताना, नांदगांव आदि मंडियों में प्याज के दाम पचास रुपये क्विंटल तक गिर गए हैं। हालांकि प्याज की उत्पादन लागत 15 से 18 रुपये प्रति किलो है। कई किसान निराश होकर फसल तक नहीं खोद रहे। महाराष्ट्र में कोई डेढ़ करोड़ लोग खेती-किसानी से अपना जीवन चलाते हैं और इनमें से दस फीसदी अर्थात 15 लाख लोग केवल प्याज उगाते हैं। बरसात का खतरा सिर पर है और आढ़तिया अब उतना ही माल लेगा जिसे वह भंडारण कर सके। चीन के बाद भारत दुनिया में सर्वाधिक प्याज पैदा करने वाला देश है और यहां से हर साल 13 हजार करोड़ टन प्याज का निर्यात होता है, लेकिन यहां की राजनीति में आए दिन प्याज की कमी और दाम आंसू लाते रहते हैं। यह गौर करना होगा कि जलवायु परिवर्तन की मार से प्याज की खेती को सबसे अधिक नुकसान हो रहा है। दुर्भाग्य है कि हमारे देश में प्याज की मांग व उत्पादन इतनी बड़ी समस्या नहीं है जितना संकट में प्याज की बंपर फसल होने पर उसे सहेज कर रखना है। आमतौर पर इसकी बोरियां खुले में रहती हैं व बारिश होते ही इनका सड़ना शुरू हो जाता है। भारत में प्याज की लगभग 70 फीसदी पैदावार रबी में होती है, यानी दिसंबर-जनवरी में रोपाई और मार्च से मई तक फसल की आवक। खरीफ यानी जुलाई-अगस्त में बोने व अक्तूबर-दिसंबर तक आवक का रकबा बहुत कम है। पिछले कुछ सालों में प्याज के बाजार में हुई उठापटक पर गौर करें तो पाएंगे कि जनवरी, 2018 में कम आवक का कारण महाराष्ट्र में चक्रवात, पश्चिमी समुद्री तट पर कम दबाव के क्षेत्र बनने पर असामयिक बरसात के चलते शोलापुर, नासिक, अहमदनगर आदि में फसल बर्बाद होना था। नवंबर-2019 से जनवरी, 2020 तक भी प्याज के दाम बेशुमार बढ़े थे और उसका कारण बेमौसम व लंबे समय तक बरसात होना बताया गया था। सन 2020 में खरीफ की फसल भी भयंकर बरसात में धुल गई थी। इस साल कर्नाटक व महाराष्ट्र में सितंबर में बरसात हो गई थी। फरवरी, 2021 में प्याज के आसमान छूते दाम व विदेश से मंगवाने का कारण जनवरी, 2021 में उन इलाकों में भयंकर बरसात होना था, जहां प्याज की खेती होती है। इन दिनों मध्य प्रदेश में प्याज की बंपर फसल किसानों के लिए आफत बनी है। शाजापुर मंडी में एक सप्ताह में 27 हजार बोरा प्याज खरीदा गया। यहां आगरा बॉम्बे रोड पर ट्रैक्टर-ट्रालियों की लंबी कतार है व कई किसान माल बेचे बगैर लौट रहे हैं। यहां पिछले साल भी किसान वाजिब दाम न मिलने के कारण आंदोलन कर चुके हैं। सनद रहे कि राज्य में हर साल लगभग 32 लाख टन प्याज होता है और उसके भंडारण की क्षमता महज तीन लाख टन यानी दस फीसदी से भी कम है। महाराष्ट्र की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासल गांव में शनिवार को 1233 वाहनों से 17 हजार 826 क्विंटल प्याज की आवक हुई और इसका रेट अधिकतम 1600 रुपये व न्यूनतम 1000 रुपये रहा। किसान के लिहाज से यह दाम बहुत कम है लेकिन किसान इसे जमा करके नहीं रख सकता है और यदि इस समय थोड़ी भी बरसात हो गई तो इस मंडी का अधिकांश माल सड़ कर बदबू मारने लगेगा। एक फौरी अनुमान है कि हर साल हमारे देश में 70 लाख टन से अधिक प्याज खराब हो जाता है, जिसकी कीमत 22 हजार करोड़ होती है। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने वर्ष 2022 की आर्थिक समीक्षा में बताया है कि सन 2020-21 में कोई 60 लाख टन प्याज सड़ने या खराब होने का आकलन किया गया था जो सन 2021-22 में अनुमानित 72 लाख टन है। इस समय देश में प्याज की उपलब्धता 3.86 करोड़ टन है, जबकि 28 लाख टन आयात किया गया है। लेकिन दुर्भाग्य है कि इस स्टॉक को सहेजने के लिए माकूल कोल्ड स्टोर्स नहीं हैं। महज दस फीसदी प्याज को ही सुरक्षित रखने लायक व्यवस्था हमारे पास है, साथ ही प्याज उत्पादक जिलों में कोई खाद्य प्रसंस्करण कारखाने नहीं हैं। किसान अपनी फसल लेकर मंडी जाता है और यदि उसे माल बेचने के लिए सात दिन कतार में लगना पड़े तो माल-वाहक वाहन का किराया व मंडी के बाहर सारा दिन बिताने के बाद किसान को कुछ नहीं मिलता, फलस्वरूप आए दिन सड़क पर फसल फेंक देने या खेत में ही सड़ा देने की खबरें आती हैं। यह जान लें कि प्याज के कोल्ड स्टोरेज में अन्य कोई उत्पाद रखा नहीं जा सकता।

इसके बाद प्याज की फसल जिन दिनों में आती है, उस समय प्रायः बरसात होती है और गीला प्याज भंडारण के लिए रखा नहीं जा सकता। हालांकि सरकार ने कम से कम दो हेक्टेयर में प्याज उगाने वाले किसानों को 50 मीट्रिक टन क्षमता के भंडारण गृह बनाने पर कोई पचास फीसदी सबसिडी का ऐलान किया है लेकिन अभी इसके जमीनी परिणाम सामने नहीं आए हैं। आज जरूरत है कि वैज्ञानिक, तकनीकी संस्थाएं कम लागत और किफायती संचालन खर्च की ऐसी तकनीक विकसित करें जिससे किसान अपनी फसल भी सुरक्षित रख सके, साथ ही अतिरिक्त कमाई भी हो। किसान को केवल उसके उत्पाद का वाजिब दाम ही नहीं चाहिए, वह यह भी चाहता है कि उसके उत्पाद का सड़ कर या फेंक कर अनादर न हो और उससे लोगों का पेट भरे।

सू-दोकू नवताल -2143

	6	8	5	9		1	4	
7								3
	1		6	3	2	8	9	
						4	8	9
		4	3	7	6	5		
2	5	1						
	7	6	8	2	9		1	
8								5
	9	3		5	4	2	6	

सू-दोकू 2142 का हल

6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	9	6	2	3	7	1	8
7	1	3	8	5	9	2	6	4
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	2	9	4	8	5	7	6
9	8	6	7	3	5	1	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2143

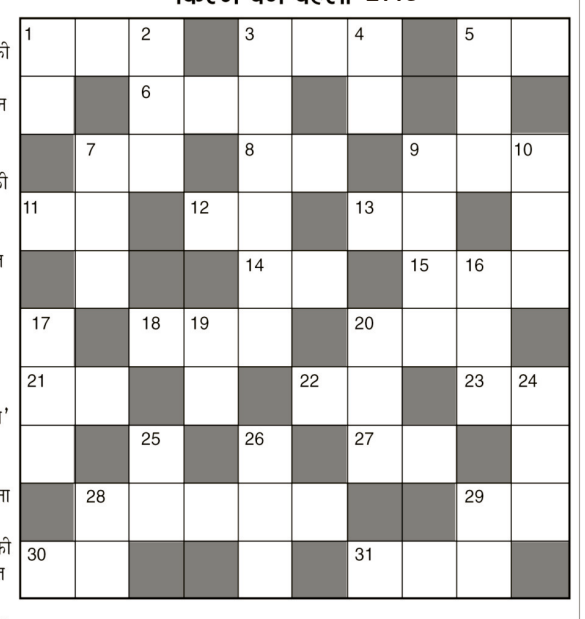

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-3
3. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-3
5. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-2
6. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-3
7. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-2
8. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-2
9. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-2
12. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-2
13. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-2
14. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-2
15. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-3
18. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
21. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
23. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
28. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-5
29. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक?-2
30. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

10. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-3
16. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-3
17. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-3
19. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-2
20. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-3
24. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-3
25. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-3
28. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-4
29. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2142

स्व	दे	श		स	इ	क		आ	ह
र्ग		रा	ढु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

1. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-2
2. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-3
3. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-4,2
4. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-2
5. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
7. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-3
9. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-4

सेबी ने धोखाधड़ी के आरोप में 86 लोगों पर लगाया 1 करोड़ रुपए का जुर्माना

(एजेंसी)

पूंजी बाजार की रेग्युलेटर सेबी ने शुक्रवार को सनराइज एशियन लिमिटेड के शेयरों में हेराफेरी के लिए 86 लोगों पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। अपने एक आदेश के जरिए सेबी ने सनराइज एशियन लिमिटेड (SAL), इसके 5 पूर्व डायरेक्टरों और कंपनी से जुड़े 80 लोगों और निकायों पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की इस राशि का भुगतान आरोपियों द्वारा संयुक्त रूप से और अलग-अलग किया जाना है। सेबी ने इस मामले की जांच प्रीसिपल डायरेक्टर ऑफ इनकम टैक्स (इन्वेस्टीगेशन), कोलकाला से प्राप्त एक रिफरेंस के आधार पर अक्टूबर 2012 से सितंबर 2015 की अवधि के लिए की थी।

जांच में पाया गया है कि एक अमलगमेशन योजना के तहत, सनराइज एशियन और इसके तब के डायरेक्टरों ने हेराफेरी करके जांच की अवधि यानी अक्टूबर 2012 से सितंबर 2015 के दौरान सनराइज एशियन के स्टॉक प्राइस में हेराफेरी की थी। इस मामले के 86 अभियुक्तों में से दो लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एक व्यक्ति ने सेबी के साथ मामला सेटल कर लिया है।

इसी तरह के एक दूसरे ऑर्डर में ब्रॉन्च ट्रेडिंग लिमिटेड के मामले में सेबी ने दो लोगों पर डिस्क्लोजर नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी को ब्रॉन्च से एक सूचना मिली थी जिसमें बताया गया था कि आम लोगों को जुलाई 16 से दिसंबर 2016 के बीच ब्रॉन्च ट्रेडिंग लिमिटेड में निवेश करने के लिए SMS और कॉल के जरिए फर्जी टिप्स दिए गए थे। जिसमें निश्चित समयावधि में टारगेट प्राइस हासिल करने की बात कही गई थी। जांच के बाद इस मामले में सेबी ने दो लोगों पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

स्वर्ण बॉन्ड की पहली श्रृंखला के लिए निर्गम मूल्य 5,091 प्रति ग्राम तय

मुंबई । सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) योजना 2022-23 के लिए निर्गम मूल्य 5,091 रुपए प्रति ग्राम तय किया गया है। योजना की पहली श्रृंखला खरीद के लिए 20 जून से पांच दिनों के लिए खुलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। सरकारी स्वर्ण बॉन्ड (एसजीबी) योजना 2022-23 की पहली श्रृंखला खरीद के लिए 20 से 24 जून के बीच खुलेगी। आरबीआई ने कहा कि ऑनलाइन या डिजिटल माध्यम से स्वर्ण बांड के लिए आवेदन और भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए निर्गम मूल्य 50 रुपए प्रति ग्राम कम होगा। इस तरह के निवेशकों के लिए स्वर्ण बांड का निर्गम मूल्य 5,041 रुपए प्रति ग्राम होगा। स्वर्ण बॉन्ड योजना 2022-23 की दूसरी श्रृंखला आवेदन के लिए 22 से 26 अगस्त के दौरान उपलब्ध होगी। केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की तरफ से बांड जारी करता है। ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार (एचयूएफ), न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 12,991 करोड़ रुपए मूल्य के 10 किस्तों में एसजीबी जारी किये गए थे। अभिदान की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए चार किलोग्राम, एचयूएफ के लिए चार किलोग्राम और न्यासों तथा समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम है। सोने की भौतिक मांग को कम करने के इरादे से सबसे पहले गोल्ड बांड योजना नवंबर 2015 में लाई गई थी।

भारत और ईयू ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू की

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने आठ साल से अधिक समय के बाद व्यापार एवं निवेश समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की। भारत और यूरोपीय संघ द्वारा संतुलित और व्यापक व्यापार समझौते के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने की घोषणा के एक साल बाद बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में वार्ता हुई है। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की ने एक ट्वीट में कहा है कि यूरोपीय संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यूरोपीय संघ और भारत ने एक बार फिर मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू कर दी है। मुझे ब्रसेल्स में वार्ता के लिए मंत्री पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

एनएफटीसी ओला और उबर की तर्ज पर नई परिवहन सेवा शुरू करेगी

नई दिल्ली । नेशनल टूरिज्म एंड ट्रांसपोर्ट कॉआपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (एनएफटीसी) जल्दी ही नई परिवहन सेवा सहकार टैक्सी शुरू करेगी। यह सेवा ओला और उबर की तरह होगी और इसका मकसद लाखों लोगों को रोजगार देना है। एनएफटीसी ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा सहकारी संस्थान एवं यात्रा और पर्यटन के जरिये भी एक कूरियर सेवा शुरू की जाएगी। बयान के अनुसार एनएफटीसी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक नया केंद्रीय बोर्ड कार्यालय और यूट्यूब चैनल शुरू किया है। इस नए ढांचे का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के प्रकल्प सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएन ठाकुर ने किया था।

बाजार में छह दिन गिरावट से निवेशकों के 18.17 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली । शेयर बाजारों में पिछले छह दिनों से जारी गिरावट के कारण निवेशकों को 18.17 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वैश्विक स्तर पर कई केंद्रीय बैंकों की तरफ से ब्याज दरों में वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की घरेलू शेयर बाजारों से लगातार पूंजी निकासी से स्थानीय शेयर बाजारों में पूरे सप्ताह गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स में पिछले छह कारोबारी दिनों के दौरान 3,959.86 अंक की गिरावट हुई है। यह शुक्रवार को एक साल के निचले स्तर 51,360.42 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में गिरावट के साथ नौ से 17 जून के बीच बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 18,17,747.13 करोड़ रुपए घटकर 2,36,77,816.08 करोड़ रुपए पर आ गया।

AXIS BANK

एक्सिस बैंक ने कोहली को अतिरिक्त स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज मनोज कोहली को जून, 2026 तक चार साल की अवधि के लिए अपने निदेशक मंडल में अतिरिक्त निदेशक के रूप में शामिल किया है। कोहली (63) वर्तमान में सॉफ्टबैंक इंडिया, सॉफ्टबैंक ग्रुप इंटरनेशनल के क्षेत्रीय प्रमुख हैं। इसके पहले वह भारती एयरटेल के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) थे। एक्सिस बैंक ने शेयर बाजारों को दी एक सूचना में कहा कि निदेशक मंडल ने नियुक्ति और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर हुई अपनी बैठक में कोहली को जून, 2026 तक चार साल की अवधि के लिए बैंक का अतिरिक्त स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया। कोहली का कार्यकाल शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

बेतहाशा गर्मी ने कूलिंग उत्पादों को बनने वाली कंपनियों की मौज, ब्रिकी 10 गुना बढ़ी

मुंबई । देश में गर्मी बढ़ने के साथ-साथ ठंड करने वाली वस्तुओं के सामने की ब्रिकी में भी तेजी आई है। पैनासोनिक, व्हर्लपूल, वोल्टास और एलजी जैसी कंपनियों के एयर कंडीशनर की सेल में 2019 के मुकाबले 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। गौरतलब है कि महामारी के कारण बीते 2 सालों से सेल में गिरावट देखने को मिली थी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल एयर कंडीशनर उद्योग ने बड़ी वृद्धि दर्ज की है। उनका कहना है कि 2 साल के सूखे के बाद मांग में काफी तेजी आई है, लोग नया सामान खरीदना चाह रहे हैं। व्हर्लपूल के फ्रिज की बिक्री में भी इस साल 2019 के मुकाबले 10 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। उन्होंने कहा है कि कंपनी ने कोविड-19 पूर्व बाजार शेयर हासिल किया है। अधिकारी का कहना है कि महामारी के कारण पिछले 2 साल से दबी मांग ने भी बिक्री में आई तीव्र वृद्धि में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान मैन्युफैक्चरिंग में भी बाधाएं आई थीं लेकिन इस बार कंपनियां आशावादी हैं, जबकि लागत कॉस्ट में काफी बढ़ोतरी हो गई है। वहीं एक अन्य कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कंपनी ने एसी के सेल में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने बताया कि इसमें मार्च-मई में 2019 के मुकाबले 68 फीसदी तेजी आई है। हालांकि, उन्होंने बताया कि अब कई राज्यों में मॉनसून के आगमन से मांग स्थिर हो रही है। इस तरह वोल्टास के कूलिंग उत्पादों की बिक्री में 2019 के मुकाबले 3 गुना का उछाल आया है। कंपनी के अधिकारी ने कहा है कि कूलिंग उत्पादों के कारोबार में 160 फीसदी से अधिक और घरेलू उपकरणों के कारोबार में 75 फीसदी का उछाल आया है। हैदराबाद, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु में बिके कुल एसी में सर्वाधिक संख्या बिजली की कम खपत करने वाले 5-स्टार एसी की थी। जबकि मुंबई, अहमदाबाद, सूरत, चेन्नई, वडोदरा और इंदौर में 50 फीसदी से अधिक खरीदारों ने 3-स्टार एसी खरीदे। रिपोर्ट में बताया गया कि मुंबई, ठाणे, पुणे और कोलकाता में बिकने वाले ज्यादातर एसी एक टन के थे। उत्तर और मध्य भारत में 1.5 टन के एसी ज्यादा खरीदे गए और इस क्षमता के एसी की संख्या कुल बिक्री में 60 फीसदी रही।

स्विगी और जोमैटो 1 जुलाई से डिलीवर करेंगे सिर्फ गुणवत्ता वाला खाना!

कंपनियां एफएसएसएआई ग्राहकों के हित में लागू कर रही नया नियम

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने और डिलिवरी सुविधा देने वाली स्विगी-जोमैटो जैसी कंपनियों को गुणवत्ता वाला खाना पहुंचाने के सख्त निर्देश दिए हैं। एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए इन एग्रीगेटर कंपनियों के लिए 1 जुलाई से नई गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य बना दिया है। एफएसएसएआई के मुताबिक, 1 जुलाई से स्विगी-जोमैटो जैसी कंपनियों को खाना डिलीवर करने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस रेस्तरां या होटल का खाना वह डिलिवरी करते हैं, उस पर पोषक तत्वों की पूरी जानकारी हो। सभी ई-कॉमर्स खाद्य कारोबार परिचालकों (एफबीओ) को लिखे पत्र में एफएसएसएआई ने कहा है कि वे अपने मोबाइल ऐप सहित तमाम मंचों पर खाद्य वस्तुओं में उपस्थित कैलोरी, पोषक तत्वों की मौजूदगी और उसके दुष्प्रभावों से संबंधित जानकारी को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करेंगे। ऐसा करने से उपभोक्ता को बेहतर खाद्य उत्पाद चुनने में आसानी होगी। एफएसएसएआई खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों के लिए वर्ष 2020 में लेबलिंग और आंकड़े प्रदर्शित करने वाले नियम लेकर आया था। अब इसे ई-कॉमर्स फूड कंपनियों पर लागू कर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में प्राधिकरण ने स्विगी-जोमैटो जैसी कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने मोबाइल ऐप सहित सभी ऑनलाइन मंच पर पोषण संबंधी जानकारियां डिस्प्ले करने की व्यवस्था करें। इसका मकसद एक तो उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पहुंचाना है और दूसरा इसके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करना है। एफएसएसएआई ने अपने सभी क्षेत्रीय निदेशकों से कहा है कि फूड डिलिवरी करने वाले ऑनलाइन मंचों पर इन दिशा-निर्देशों के पालन की निगरानी की जानी चाहिए। ऑनलाइन खाना ऑर्डर लेने और डिलिवर करने वाली प्रमुख कंपनी जोमैटो के प्रवक्ता ने कहा कि हम पहले से ही इन नियमों का पालन कर रहे हैं। हमारे साथ जुड़े रेस्तरां अभी तक स्वैच्छा से खाद्य उत्पादों की पोषकता और उसके नुकसान की जानकारी दे रहे हैं। अब हम इन जानकारियों को अनिवार्य रूप से साझा किए जाने को लेकर संपर्क कर रहे हैं। इससे हमारे ग्राहकों को सभी जरूरी जानकारियां मिल सकेंगी। स्विगी ने फिलहाल इस पर कोई जवाब नहीं दिया है।

SWIGGY zomato

अब स्टेशन पर अपनी बर्थ पर आर्डर कर सकते हैं आनलाइन खाना

नई दिल्ली । अब आप ऑनलाइन खाना ऑर्डर स्टेशन पर अपनी बर्थ पर खाना मंगा सकते हैं। इस सर्विस के जरिये भोजन बुक करने के लिए आपको एक कन्फर्म टिकट या वेटिंग टिकट की आवश्यकता होगी। इसका कारण यह है कि खाना ऑर्डर करते समय आपको पीएनआर और ट्रेन विवरण दर्ज करना होगा। ई-कैटरिंग सर्विस ऑनलाइन के साथ कैश ऑन डिलीवरी भुगतान करने का विकल्प प्रदान करती है। फिलहाल ई-कैटरिंग सर्विस सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक उपलब्ध है। अगर ट्रेन में देरी होती है और भोजन नहीं दिया जाता है, तो पैसेंजर को पूरी रकम वापस की जाएगी। ट्रेन में सफर के दौरान आप तीन तरीके से खाना ऑर्डर कर सकते हैं। आप ई-कैटरिंग वेबसाइट के जरिये ऑर्डर कर सकते हैं। इसके अलावा फूड ऑन ट्रैक मोबाइल ऐप और 1323 पर कॉल करके खाना बुक कर सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार फिर कम होकर 600 बिलियन डॉलर से नीचे पहुंचा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से घटकर 600 बिलियन डॉलर से नीचे पहुंच गया है। ऐसा लगातार दूसरे सप्ताह हुआ है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पिछली 10 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 4.599 अरब डॉलर घट कर 596.458 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले बीते तीन जून को समाप्त सप्ताह में भी यह 3.06 अरब डॉलर घटा था। तब यह 601.057 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार बीते 27 मई को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा भंडार एक महीने से अधिक समय तक 600 बिलियन डॉलर से नीचे रहा था। इसके बाद ही यह लगातार 10 सप्ताह तक गिरा था। तब जा कर 20 मई और 27 मई को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें बढ़ोतरी हुई थी। आरबीआई के साप्ताहिक सांख्यिकीय आंकड़ों के मुताबिक 27 मई को सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर हो गया था। दस जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों या फॉरेन करेंसी असेट में आई गिरावट है।

यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में फॉरेन करेंसी असेट (एफसीए) 4.535 अरब डॉलर घटकर 532.244 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 10 लाख डॉलर की मामूली गिरावट के साथ 40.842 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा स्पेशल ड्राइंग राइट 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.388 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार भी चार करोड़ डॉलर घटकर 4.985 अरब डॉलर रह गया।

गैर-जीवन बीमा कंपनियों का प्रीमियम बढ़कर 15,404 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । गैर-जीवन बीमा कंपनियों का सामूहिक रूप से सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम पिछले ने हिने मई में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 15,404.45 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के जारी किए गए आंकड़ों में इसकी जानकारी मिली है। गैर-जीवन बीमा कंपनियों का मई, 2021 में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 12,423.98 करोड़ रुपए रहा था। इरडा के आंकड़ों के मुताबिक 31 गैर-जीवन कंपनियों में से 25 साधारण बीमा कंपनियों का मई, 2022 में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,566.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 10,954.18 करोड़ रुपए था। निजी क्षेत्र की पांच स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का सकल प्रीमियम आलोच्य महीने में 23.6 प्रतिशत बढ़कर 1,708.86 करोड़ रुपए हो गया, जबकि मई, 2021 में यह 1,382.71 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर सभी गैर-जीवन बीमा कंपनियों का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम चालू वित्त वर्ष 2022-2023 की अप्रैल-मई अवधि के दौरान 22.8 प्रतिशत बढ़कर 36,680.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो एक साल पहले इसी महीने में 29,867.41 करोड़ रुपए था।

कर्ज में डूबी लिपस्टिक बनाने वाली कंपनी रेवलॉन हुई दिवालिया

नई दिल्ली । सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली अमेरिका की मशहूर कंपनी रेवलॉन इंक ने बैंकरप्सी के लिए आवेदन कर दिया है। 90 साल पुरानी यह दिग्गज कंपनी अपना कर्ज नहीं चुका पा रही थी। साथ ही सप्लाई चेन और महंगाई के कारण उसकी हालत खस्ता हो गई थी। कंपनी ने चैप्टर 11 बैंकरप्सी के लिए आवेदन किया है। इसके तहत कंपनी अपना कामकाज जारी रख सकती है और साथ ही कर्ज चुकाने के लिए योजना बना सकती है। मार्च के मध्य तक कंपनी पर 3.31 अरब डॉलर का कर्ज था। हाल के महीनों में मेकअप प्रोडक्ट्स की मांग में तेजी आई है क्योंकि लॉकडाउन की बंदिशें खत्म होने के बाद लोग बाहर निकल रहे हैं। लेकिन रेवलॉन को दूसरे ब्रैंड्स से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लिपस्टिक बनाने वाली इस कंपनी ने अपने बिजनेस को बचाने के लिए कर्जदारों से बात शुरू की थी। मार्च में कंपनी ने कहा था कि उसे सप्लाई चेन की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण वह मांग पूरा नहीं कर पा रही है। न्यूयॉर्क की इस कंपनी का मालिकाना हक अरबपति कारोबारी रोन पर्लमेन की कंपनी मेकएंडफोर्ब्स एंड फोर्ब्स के पास है।

इस कंपनी को दूसरी छोटी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। ये कंपनियां कस्टमर्स को लुभाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रही हैं। कोविड-19 महामारी से पहले ही कंपनी की बिक्री में गिरावट आ रही थी और रही सही कसर कोरोना ने पूरी कर दी। रेवलॉन के 15 से ज्यादा ब्रैंड हैं जिनकी करीब 150 देशों में इनकी बिक्री होती है। कंपनी की शुरुआत अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक मार्च 1932 को भयंकर मंदी के दौर में हुई थी। इसे चार्ल्स रेवसन और जोसेफ रेवसन नाम के दो भाइयों ने शुरू किया था। उनके साथ एक केमिस्ट चेरिस लैचमैन भी थे, जिनके नाम के 'एल' को ब्रांड में शामिल किया गया। इसीलिए कंपनी का नाम रेवसन के बजाय रेवलॉन रखा गया। रेवलॉन की शुरुआत एक नेल पॉलिश से हुई थी। इसके बाद उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पांच नवंबर 1985 को रेवलॉन कंपनी 58 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से कुल 2.7 अरब डॉलर में पेंट्री प्राइड कंपनी को बेच दी गई।

कर्मचारियों के लिए अब नहीं बनेगा वेतन आयोग!

- नए फॉर्मूले पर काम कर रही सरकार, कर्मचारियों की परफॉर्मेंस के हिसाब से वेतन में होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली । सरकारी कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए अभी तक सरकार कुछ समय अंतराल पर नया वेतन आयोग लागू करती थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर वेतन बढ़ता था लेकिन मोदी सरकार अब नया वेतन आयोग लागू करने के बजाए सैलरी वेतन के लिए दूसरा फॉर्मूला लाने की तैयारी में है। अभी तक केंद्र व राज्य कर्मचारियों को वेतन वृद्धि के अलावा हर छह महीने में महंगाई-भत्ते में वृद्धि का भी लाभ मिलता है। बताया जा रहा है कि वित्त मंत्रालय वेतन बढ़ाने के नए फॉर्मूले पर विचार कर रहा है। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि अब कर्मचारियों के लिए नया वेतन आयोग नहीं आएगा, बल्कि कर्मचारियों की परफॉर्मेंस के हिसाब से उनके वेतन में बढ़ोतरी की जाएगी।

हालांकि भविष्य में यह फॉर्मूला किस तरह काम करेगा, इस पर सरकार अभी मंथन कर रही है। वेतन आयोग के बजाए, सैलरी बढ़ाने के लिए नया फॉर्मूला लागू करने पर 6 साल पहले ही बात हुई थी। तत्‍कालीन वित्तमंत्री अरुण जेटली ने संसद में कहा था कि अब कर्मचारियों के लिए वेतन आयोग से हटकर सोचने की जरूरत है। माना जा रहा है कि सरकार अब इसी विचार को अमलीजामा पहनाने की तैयारी कर रही है। कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के नए फॉर्मूले को अभी अंतिम रूप तो मंजूरी नहीं दी गई है, लेकिन माना जा रहा है कि यह पूरी तरह डीए पर आधारित हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार नए फॉर्मूले के तहत कर्मचारियों का डीए 50 फीसदी बढ़ते ही उनकी वेतन में ऑटोमेटिक इजाफा हो जाएगा। इसे ऑटोमेटिक पे रिवीजन का नाम दिया जा सकता है, जिसका लाभ केंद्र के 68 लाख कर्मचारियों और करीब 52 लाख पेंशनधारकों को मिलेगा। सरकार के इस फॉर्मूले का सबसे ज्यादा लाभ छोटे स्तर के कर्मचारियों को मिलेगा।

हालांकि, अभी फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है लेकिन, ऐसा माना जा रहा है कि नया नियम लागू होने के बाद निम्न स्तर के कर्मचारियों का वेतन ज्यादा बढ़ जाएगा। इसके तहत लेवल मैट्रिक्स 1 से 5 तक के कर्मचारियों का न्यूनतम बेसिक वेतन 21 हजार रुपए हो जाएगा।

फीडे कैंडीडेट शतरंज रूस के नेपोमिन्सी व अमेरिका के कारूआना ने पहले राउन्ड में जीत कर हासिल की शुरुआती बढ़त

मेड्रिड । फीडे कैंडिडेट शतरंज के पहले ही राउंड में रोमांचक मुक़ाबले देखने को मिले और चार में से दो मुकाबलों में परिणाम निकले, जबकि दो बाज़ियां अनिर्णीत रहीं। पहले दिन रूस के यान नेपोमिन्सी और यूएसए के फबियानों कारूआना जीत दर्ज कर शुरुआती बढ़त हासिल करने में कामयाब रहे। सबसे पहली जीत दर्ज की नेपोमिन्सी ने उन्होने काले मोहरो से खेलते हुए टॉप सीड चीन के डिंग लीरेन को इंग्लिश ओपनिंग में 32 चालों में पराजित कर दिया। इसके बाद बारी थी कारूआना की जिन्होने हमवतन हिकारु नाकामुरा को सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन में 50 चालों में पराजित कर दिया। अन्य दो मुकाबलों में पोलैंड के यान डूड़ा नें हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से तो अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव ने फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा से बाजी ड्रॉ खेलते हुए अंक बांटा। 8 खिलाड़ियों के बीच दोहरे राउंड रॉबिन आधार पर कुल 14 राउंड के इस टूर्नामेंट का विजेता विश्व विजेता मेगनस कार्लसन को विश्व खिताब की चुनौती देगा।

प्रैक्टिस के दौरान गले में तीर लगने से बुरी तरह घायल हुईं शिवांगिनी, 6 माह बाद मैदान पर लौटी

नई दिल्ली ।

प्रैक्टिस के दौरान गले में तीर लगने से बुरी तरह घायल हुईं शिवांगिनी गोहेन एक बार फिर से आर्चरी के मैदान में लौट आईं हैं। जनवरी 2020 में प्रैक्टिस के दौरान गले में तीर लगने से शिवांगिनी बुरी तरह घायल हो गईं थीं, हालत इतनी खराब थी कि उन्हें एयरलिफ्ट कर असम से दिल्ली के एम्स ट्रामा सेंटर में शिफ्ट करना पड़ा था। डॉक्टरों की टीम ने उनकी सर्जरी कर उन्हें नया जीवन दिया और अब शिवांगिनी फिर से खेल के मैदान में उतर चुकी हैं। इसके पहले एम्स के डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाई तब कई लोग सामने आकर उनकी किट का खर्च उठाने के लिए तैयार भी हो गए हैं।

शिवांगिनी का इलाज करने वाले एम्स ट्रॉमा सेंटर के न्यूरो सर्जन डॉ. दीपक गुप्ता ने बताया कि 6 जनवरी 2020 को शिवांगिनी खेलो इंडिया गेम्स के तहत डिब्रूगढ़ में प्रैक्टिस कर रहीं थीं। प्रैक्टिस के दौरान एक अन्य खिलाड़ी का तीर उनके गले में लग गया था। असम के डॉक्टरों ने कोशिश की, लेकिन वहां उस तीर को निकाल नहीं पाए। 8 जनवरी की रात को उन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर में शिफ्ट किया गया था। तीर उनकी गर्दन में घुस कर दो हड्डी के बीच में फंसा हुआ था। सर्वाइकल और थोरोसिक जंक्शन के बीच में यानी सी 7 और डी1 के बीच में दाएं से बाएं तरफ गया था। यह स्पाइन कॉड से 0.5 एमएम दूर था। अगर इसमें छू जाता, तब बच्ची पूरी जिंदगी अपाहिज हो सकती थी।

डॉ. दीपक ने कहा कि सर्जरी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि सर्जरी के दौरान भी अगर थोड़ी सी गलती होती, तब तीर स्पाइनल कॉड को डैमेज कर सकता था। साढ़े तीन घंटे की सर्जरी में यह तीर निकाला गया था। तीर से लंग्स के बाहर की झिल्ली पर असर हुआ था, जिसे मैनेज कर लिया गया। उन्होंने कहा कि जिस रात उस लाया गया था, उसके दूसरे दिन ही सर्जरी की गई थी। अच्छी बात यह हुई कि उसकी रिकवरी बेहतर हुई और 6 महीने बाद ही उन्होंने प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। डॉक्टर ने बताया कि उनके सामने अपने गेम्स को आगे बढ़ाने में आर्थिक मदद की जरूरत थी। उनकी मां ने निवेदन किया कि उसके पास वहां किट नहीं है, जो था वह टूट गया है। हमने इसको लेकर सोशल मीडिया में बात रखी तब कई लोग सामने आकर मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्लेयर को मदद करना संतोषजनक है।

शिवांगिनी गोहेन असम से हैं। जब वह घायल हुईं थी, तब स्पोर्ट्स ऑर्थिरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने उसके इलाज का खर्च वहन किया था। शिवांगिनी स्कूल गेम्स फेरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 65वें स्कूल गेस्म आर्चरी चैंपियनशिप में असम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। यह चैंपियनशिप आंध्र प्रदेश में आयोजित हुई थी। शिवांगिनी ने 9 साल की उम्र से खेलना शुरू किया था। 12 साल की उम्र में उन्हें चोट लगी थी, अब वह 14 साल की हैं। पिछले 2 साल में उन्होंने कई स्टेट मेडल जीते हैं।

मॉर्गन के तूफान में उड़ा अफगानिस्तान, 17 छक्के जड़ हिटमैन-गेल को छोड़ा पीछे, राशिद की जमकर हुई धुनाई

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड के फैंस और क्रिकेट के दीवानों के लिए 18 जून का दिन बेहद खास है। तीन साल पहले इंग्लैंड के कप्तान ऑयन मॉर्गन ने मैनचेस्टर में अफगानिस्तान के खिलाफ 71 गेंदों में 148 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने इस पारी में रिकॉर्ड 17 छक्के और चार चौके लगाए थे। आईसीसी वर्ल्ड कप 2019 के 24वें मुकाबले में मॉर्गन ने कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे। इस मुकाबले में कप्तान ऑयन मॉर्गन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड की तरफ से जेम्स विंस और जॉनी बेयरस्टो बल्लेबाजी करने के लिए हैं। विंस 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, बेयरस्टो ने 99 गेंदों में 90 रनों की पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो ने इंग्लैंड के सदाबहार बल्लेबाज जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए दूसरे विकेट के लिए 120 रन जोड़े। बेयरस्टो के आउट होने के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए मॉर्गन उतरे और उन्होंने मैदान पर तहलका मचाया. रूट ने भी 82 गेंदों में 88 रनों की पारी खेली. मॉर्गन ने 148 रन में से अकेले 118 रन सिर्फ चौकों और छक्कों से ही पूरे किए थे। उनकी इस पारी की बदौलत इंग्लैंड ने मैच में 6 विकेट के नुकसान पर 397 रन बनाए थे। उस समय इंग्लैंड ने 2015 के बाद से सातवीं बार वनडे में 375 रन का आंकड़ा पार किया था। इस पारी की बदौलत मॉर्गन ने रोहित शर्मा, क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स को पीछे छोड़ दिया था। रोहित शर्मा, क्रिस गेल और एबी डिविलियर्स के नाम वनडे क्रिकेट में एक पारी में 16-16 छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। मॉर्गन का 17 छक्के लगाने का रिकॉर्ड पिछले तीन साल से बरकरार है। इस मुकाबले में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान की जमकर धुनाई हुई थी। उनके 9 ओवर में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने कुल 110 रन ठोके। उनके खिलाफ 11 छक्के भी लगे। राशिद ने 12.22 से ज्यादा के इकोनॉमी रेट से रन दिए। वह विश्व कप इतिहास के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए थे।

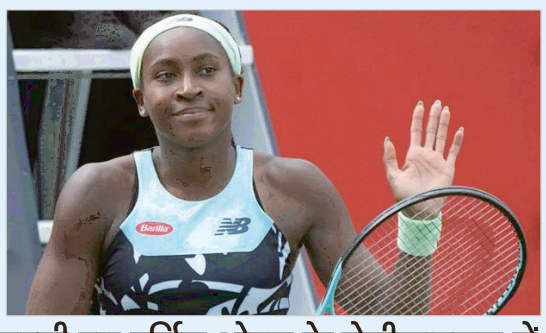

पहली बार बर्लिन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची कोको गॉ, ओंस जबाउर से होगा खिताबी मुकाबला

बर्लिन । अमरीका की कोको गॉ पहली बार ग्रासकोर्ट टेनिस सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने बर्लिन ओपन में कैरोलिना प्लिसकोवा को 7 |5, 6 |4 से हराया। अब उनका सामना ओंस जबाउर से होगा। फ्रेंच ओपन उपविजेता 18 वर्ष की कोको गॉ ने दोनों सेट में पिछडऩे के बाद वापसी करते हुए पिछले साल की विम्बलडन उपविजेता को हराया। वहीं, चौथी वरीयता प्राप्त जबाउर ने एलिकसैंड्रा सेस्नोविच को 6 |7, 6 |2, 6 |2 से मात दी। अन्य मैचों में छठी रैंकिंग वाली मारिया सक्कारी ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल खेलने वाली डारिया कासात्किना को 6 |0, 6 |3 से हराया। सक्कारी का सामना अब बेलिंडा बेंचिच से होगा जिन्होंने वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 3 |6, 6 |3, 6 |3 से हराया।

शानदार बल्लेबाजी के कारण दिनेश कार्तिक बने भारतीय टीम के खेवनहार

राजकोट ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 में भारतीय टीम को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था। टीम ने पावरप्ले में ही 40 रन पर दो विकेट गंवा दिए और उसके खाते में 10 ओवर्स में तीन विकेट पर महज 56 रन थे। इसके बाद टीम के दो फिनिशर काम आए। दिनेश कार्तिक (55 रन, 27 गेंद) और हार्दिक पंड्या (46 रन, 31 गेंद) का बल्ला खूब चला और टीम छह विकेट पर 169 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। मैच में कार्तिक 13वें ओवर में क्रीज पर आए। उस समय भारत के खाते में चार विकेट पर 81 रन थे। हार्दिक 20 गेंद पर 25 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों इनिंग्स के 15वें ओवर तक संभलकर खेलते रहे। इस दौरान हार्दिक एक बार बाल-बाल बच चुके थे। दोनों ने हाथ खोले एनरिच नॉर्त्जे द्वारा डाले गए 16वें ओवर से, कार्तिक ने इस ओवर में दो चौके लगाए, तब हार्दिक भी पीछे नहीं रहे। अब तक काफी किफायती बोलिंग कर रहे केशव महाराज के कोटे के आखिरी ओवर से 13 रन आए।

ड्वेन प्रिटोरियस द्वारा डाले 18वें ओवर में कार्तिक ने कहर बरपा दिया। उन्होंने क्रीज पर अपने पैंतरे बदलते हुए प्रिटोरियस की तीन लगातार गेंदों पर 6,4,4 ठोक दिए। अंतिम 3 ओवर्स से 16, 13, 16 रन आए। कार्तिक ने 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 26 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने प्रिटोरियस की एक गेंद पर सिक्स लगाकर 50 रन पूरे किए। हालांकि, अगली गेंद को फिर से हवा में उड़ाने के चक्कर में कार्तिक आउट हो गए। हार्दिक और कार्तिक के बीच 65 रन की तेज-तर्रार साझेदारी हुई।

इसके बाद कार्तिक के नाम एक खास रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। कार्तिक भारत की ओर से टी20 इंटरनैशल मैचों में फिफ्टी बनाने वाले सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए। ऐसा उन्होंने 37 साल और 16 दिन की उम्र में किया। दिलचस्प बात यह है कि कार्तिक ने भारत के पहले टी20 इंटरनैशनल मैच में भी खेला था। वह मैच 1 दिसंबर, 2006 को जोहानिसबर्ग में खेला गया था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही उस मैच में कार्तिक ने 28 गेंदों में नॉट आउट 31 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीता था।

संक्षिप्त समाचार

दिनेश कार्तिक ने टीम से बाहर रहने की पीड़ा हार्दिक पांड्या से की साझा

नई दिल्ली । टीम इंडिया के हिस्सा न बन पाने से दुखी दिनेश कार्तिक का दर्द अंततः छलक ही गया। भारतीय क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल कर ली है। पहले दो मैच हारने के बाद टीम इंडिया ने जोरदार वापसी करते हुए विशाखापत्तनम और राजकोट में जीत दर्ज की। शुक्रवार को खेले गए मैच में मुश्किल हालात में फंसी टीम को दिनेश कार्तिक ने हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर निकाला। मैच के बाद उन्होंने बताया कि टीम से बाहर रहने का दर्द क्या होता है। कार्तिक बोले, 'मैं इस बात को लेकर हद से ज्यादा प्रतिबद्ध था कि मुझे तो विश्व कप में खेलना है। यह मेरे लिए बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं यहां पर काफी समय से हूं और मुझे इस बात का अच्छे से एहसास है कि बाहर किए जाने पर ऐसा महसूस होता है। मुझे ये बात भी अच्छे से पता है कि भारत के लिए खेलना कितना महत्व रखता है।' 'इसी वजह से मैं कुछ खास करना चाहता था और भाग्य से आरसीबी ने मुझे वो मंच दिया वो एक भूमिका जिसे निभाने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। मैंने इसके लिए अभ्यास किया, इसपर काफी काम किया और तय किया यह बिल्कुल से हो। और हां जो प्यार और स्नेह सभी की तरफ से मुझे मिला जिन्होंने मुझे यहां तक आते हुए देखा, कप्तान से लेकर कोच तक, खासकर चयनकर्ता जिन्होंने आगे बढ़कर मुझे ये मौका दिया है।' कार्तिक ने आगे कहा, 'अब जबकि मैं इस तरह पर हूं तो मैं वो खिलाड़ी बनना चाहता हूं जो मुश्किल हालात में जाकर भारतीय टीम के लिए मैच तो जीत कर वापस लौटे। मैं इस तरह की स्थिति में ही जाना चाहता हूं। कुछ नया और खास करने की कोशिश करता हूं जब कभी भी ऐसी स्थिति में जाउं क्योंकि मैंने बाहर से बैठकर टीम को देखा है। मैं अच्छे से जानता हूं कि इसका हिस्सा होना कितना मुश्किल होता है। जिस तरह की प्रतियोगिता इस जगह पर है और ड्रेसिंग रूम के अंदर जैसा टैलेंट मौजूद है वो बहुत ही गजब का है।'

वूर्व विश्व विलियड्र्स चैंपियन सौरव कोठारी ने पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय स्नूकर में हासिल किए दो खिताब

मेलबोर्न । पूर्व विश्व बिलियड्र्स चैम्पियन सौरव कोठारी ने पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय बिलियड्र्स चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम कर लिया है, जो उनका इस प्रतियोगिता में दूसरा खिताब है। कोठारी इस तरह आस्ट्रेलिया के मैथ्यू बोल्टन के बाद पैसिफिक अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप में दोहरा खिताब हासिल करने वाले दूसरे क्यू खिलाड़ी बन गए हैं। 37 साल के कोठारी कुछ दिन पहले इसी प्रतियोगिता का स्नूकर खिताब भी अपने नाम किया था। कोठारी ने लेवल 5 विश्व बिलियड्र्स रैंकिंग टूर्नामेंट के फाइनल्स में इंग्लैंड के चैम्पियन रॉब हॉल को 1500 - 1321 से हराया। वर्ष 2018 विश्व बिलियड्र्स चैम्पियन कोठारी ने 161, 141, 135 और 117 के ब्रेक से 600 अंक की बढ़त बनाई। इंग्लैंड का खिलाड़ी इस सत्र के दौरान केवल एक शतकीय ब्रेक 177 लगा सका। इससे पहले कोठारी ने रोमांचक मुकाबले में हमवतन ध्रुव सितवाला को 1200-1131 से हराया था। वहीं हॉल ने विश्व बिलियड्र्स चैम्पियन सिंगापुर के पीटर गिलक्रिस्ट को पराजित किया था जिसमें 244 और 192 के बड़े ब्रेक शामिल थे।

आज के निर्याणक मुकाबले में द.अफ्रीका के खिलाफ जीत दर्त करने उतरेगी भारतीय टीम

बेंगलुरू ।

भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को बेंगलुरु के मैदान पर पांचवां टी-20 मैच खेलेगा। सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर हैं। पिछले दोनों मुकाबले जीतकर भारतीय टीम का उत्साह बढ़ा हुआ है, इसके बाद दोनों टीमों के बीच यह निर्णायक मैच रोचक हो सकता है। भारत ने 8 दिनों में खेले गए 4 मैचों की अंतिम एकादश में ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं। इसके बाद में 5वें मुकाबले में इसकी उम्मीद बनी हुई हैं। भारत के पास अभी अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक जैसे गेंदबाज हैं, जिन्हें मौका मिलाना बाकी है।

भारत और द.अफ्रीका के लिए अपने कप्तानों का न चलना बड़ी समस्या बना हुआ है। तेम्बा बावुमा अगर चोट से उबर नहीं पाते हैं,तब द.अफ्रीका को उनकी कमी खलेगी। पिछले 2 मैचों में असमान उछाल वाली पिचों पर उनकी बल्लेबाजी भी कमजोर दिखी है। वहीं, पंत की अगर बात करें, तब वह एक जैसे शॉट लगाकर लगातार आऊट हो रहे हैं। उनके बल्ले से भी बड़ी पारी नहीं निकली है।

द्रविड़ टॉप-3 तीन में बदलाव की संभावना पर विचार कर सकते हैं। रूतुराज गायकवाड़ मौजूदा तकनीक के साथ बेहतर पिचों पर अच्छे आक्रमण के सामने कमजोर साबित हुए हैं। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सामना अनुभवहीन घरेलू गेंदबाजों से नहीं होगा जिन पर वह भारी पड़ सकते हैं। श्रेयस अय्यर को पूरी श्रृंखला खेलने को मिली लेकिन वह इस मौके को भुना नहीं सके। भारतीय टीम अब आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 खेलेगी, तब उनकी जगह सूर्यकुमार यादव को मिल जाएगी। उन्हें बड़ा स्कोर बनाना होगा।

आईसीसी टूर्नामेंट वाले वर्ष में कार्तिक हमेशा अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। आयरलैंड में वह विकेटकीपिंग का जिम्मा भी संभालने और टी-20 विश्व कप में अगर उन्हें विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका सौंप दी जाए, तब मौजूदा फॉर्म को देखते हुए किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। ईशान किशन भी रन बना रहे हैं। वह भी विकेटकीपर हैं। इसके बाद चिंता पंत के लिए बन रही है। उन्हें कार्तिक और ईशान भी टक्कर दे रहे हैं।

गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार को नई गेंद से स्विंग मिल रही है। आवेश खान अच्छे बाउंसर डाल रहे हैं और आस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप में टीम में जगह बनाने के प्रबल दावेदार हैं। स्पिनरों का प्रदर्शन इस श्रृंखला में अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। अक्षर पटेल विविधता नहीं ला सके हैं और चहल भी लगातार अच्छा नहीं खेल सके।

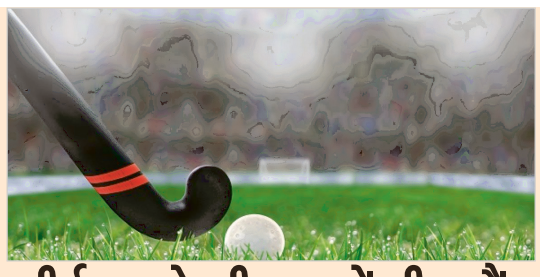

शीर्ष तमगे की चाह में नीदरलैंड से भिड़ेगा भारत

रोटडर्म । हॉकी में शीर्ष तमगे की चाह में नीदरलैंड से भारत सीधा मुकाबला करेगा। ओलंपिक चैम्पियन बेल्जियम के खिलाफ पिछले हफ्ते शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 के अपने अंतिम दो मैचों में टेबल-टॉपर नीदरलैंड का सामना करेगी। नीदरलैंड के रॉटरडैम में इस हफ्ते के अंत में होने वाले डबल-हेडर मुकाबलों से पहले भारत के कप्तान अमित रोहिदास ने कहा कि टीम हॉकी लीग को जीत के साथ समाप्त करना चाहती है। रोहिदास ने कहा- यह हमारे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 21/22 अभियान के अंतिम दो मैच होंगे और निश्चित रूप से टीम जीत के साथ अपना अभियान समाप्त करना चाहती है। इन मैचों को खेलना, साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करना, फिर घरेलू मुकाबले खेलना और अब यूरोप में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने खेलना एक शानदार अनुभव रहा। लीग ने हमें शीर्ष टीमों के बारे में अच्छी जानकारी दी है। एक इकाई के रूप में हमें कैसे सुधार करना चाहिए, यह हमारे लिए एक बड़ी सीख रही है। भारत वर्तमान में पूल स्टैंडिंग में 29 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि नीदरलैंड 31 अंकों के साथ पहले स्थान पर है और उसे अभी चार मैच खेलने हैं। दूसरे स्थान पर 31 अंकों के साथ मौजूद बेल्जियम को भी इस सप्ताह के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेलने हैं। भारतीय टीम के उपकप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अंक तालिका में अपना स्थान बेहतर करने के लिये जीत के महत्व पर कहा कि हमें इस हफ्ते के अंत में दोनों मैच जीतने हैं। इसपर कोई दोराय नहीं है।

आईसीसी मीडिया अधिकार : वैश्विक स्पर्धा के लिए 711 मैच के लिए 3 पैकेज निकाले

दुबई

। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अहम फैसला करते हुए अगले 8 साल के चक्र (2024 से शुरू होकर) के लिए अपने वैश्विक टूर्नामेंट के लिए 711 मैच के लिए मीडिया अधिकार निविदा बेचने की प्रक्रिया 20 जून से शुरू करेगा। पैकेज में महिलाओं का अंडर-19 टी20 विश्व कप भी शामिल है। बीसीसीआई भारतीय क्रिकेट बोर्ड के विपरीत आईसीसी पारंपरिक सीलबंद प्रक्रिया अपनाएगा जिसमें पुरुष और महिला मैचों के लिए अलग-अलग बोली लगाई जाएंगी। भारतीय बोर्ड ने तीन दिन ई-नीलामी के जरिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मीडिया अधिकार रिकॉर्ड 48,390 करोड़ रुपए में बेचे। आईसीसी ने पुरूषों और महिलाओं के लिए तीन विशेष पैकेज निकाले हैं, जिसमें दोनों के लिए पैकेज ए में टीवी अधिकार, बी में डिजिटल अधिकार और सी में टीवी और डिजिटल दोनों को रखा गया है। पुरुषों के वर्ग में 4 और 8 साल के लिए अधिकार हासिल किए जा सकते हैं। महिलाओं के लिए केवल चार साल के समय के अधिकार हासिल किए जा सकते हैं।

मेरा अभी खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं : आंनद

नई दिल्ली ।

पांच बार के विश्व चैंपियन भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद फिलहाल शतरंज को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। आनंद का कहना है कि फिडे अध्यक्ष बनने के बाद भी वह खेल को जारी रखने वाले है। 52 वर्षीय आनंद ने कहा कि कोरोना के दौरान लोगों में शतरंज खेलने को लेकर काफी दिलचस्पी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस खेल को बढ़ावा देने के लिए वह पूरा प्रयास करुंगा। आनंद ने जुलाई-अगस्त में महाबलीपुरम में होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड के तहत आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह सबसे बड़ा शतरंज टूर्नामेंट है। अधिकांश टूर्नामेंटों में 10 ,20 या अधिकतम 50 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन यहां 2000 के करीब खिलाड़ी हैं। इसके बाद इसकी तुलना ही नहीं हो सकती। भारत में पहली बार 28 जुलाई से महाबलीपुरम में शतरंज ओलंपियाड का आयोजन होगा। यदि आगामी चुनाव में निवर्तमान अध्यक्ष अर्काडी वोरकोविच फिर चुने जाते हैं तो आनंद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के उपाध्यक्ष होंगे। वोरकोविच ने अपनी टीम में आनंद को इस पद के लिए नामित किया है। यह पूछने पर कि फिडे अध्यक्ष बनने के बाद वह वह खेलना छोड़ देंगे? इसपर आनंद ने कहा, मेरा अभी खेल को अलविदा कहने का कोई इरादा नहीं है। फिडे उपाध्यक्ष बनने के बाद भी मैं अपने खेल को जारी रखने की ओर देख रहा हूं। आनंद ने बताया कि उनसे मार्च में फिडे उपाध्यक्ष पद के लिए पूछा गया था तो, उन्होंने इसपर हामी भर दी। आनंद के मुताबिक मुझे यह ऑफर अच्छा लगा। आनंद ने कहा, मौजूदा समय में मैं बहुत कम टूर्नामेंट खेल रहा हूं। मेरा फोकस अपनी अकादमी पर भी है। मेरे लिए यह एक नई चुनौती है और मैं इससे सीखने की कोशिश करुंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 जून शाम दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के लिए 'ऐतिहासिक मशाल रिले' की शुरुआत करने वाले हैं। इस वर्ष पहली बार अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने शतरंज ओलंपियाड की मशाल रिले की शुरुआत की है जो कि ओलंपिक परंपरा का हिस्सा है और जिसे शतरंज ओलंपियाड में अब तक कभी शामिल नहीं किया गया था।

इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले जा रहे इंडोनेशिया ओपन 2022 में चीन की चेन किंगचेन और जिया यिफ़ान के खिलाफ महिला युगल क्वार्टर फाइनल जीतने के बाद थाईलैंड की जोंगकोल्फ़न कितिथाराकुल और रविंडा प्रजोंगजाई जश्न मनाते हुए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद हैं जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालादूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

समाधान

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीर्थ यात्रियों को ले जा रही बस पलटी, 9 ने गंवाई जान, 40 घायल

मेक्सिको सिटी। दक्षिणी मेक्सिको में तीर्थ यात्रियों को ला रही एक बस के पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। दक्षिणी चियापास राज्य में नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार सुबह टीला बस्ती में हुई। यात्री कॉर्पस क्रिस्टी पर्व में भाग लेने के बाद अपने गृह राज्य टबैस्को लौट रहे थे, तभी बस पलट गई। दुर्घटना के कारणों की अभी जांच की जा रही है।

फलस्तीनी लड़ाकों ने इजराइल पर दागा रॉकेट, किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं

यरूशलम। फलस्तीनी लड़ाकों ने गाजा-इजराइल सीमा पर दो महीने की शांति के बाद शनिवार तड़के दक्षिणी इजराइल में एक रॉकेट दागा। इजराइली सेना ने कहा कि हवाई रक्षा प्रणालियों ने मिसाइल को बीच में ही रोक लिया। प्रणालियों ने अशकेलोन में चेतावनी सायरन को सक्रिय कर दिया। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल किसी फलस्तीनी समूह ने रॉकेट प्रक्षेपण की जिम्मेदारी नहीं ली है। इजराइल अपने कब्जे वाली गाजा पट्टी से होने वाले इस तरह के हमलों के लिए अक्सर हमास समूह को जिम्मेदार ठहराता है। इससे पहले, शुक्रवार को इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में एक हमला किया था, जिसमें तीन फलस्तीनी मारे गए थे और आठ अन्य घायल हो गए थे। माना जा रहा है कि संभवत- इसी हमले के जवाब में गाजा से रॉकेट दागा गया है।

यूक्रेन- मारियुपोल में रूसी सैनिकों की बर्बरता दर्शाने वाला वीडियो बनाने वाली डॉक्टर को रूस ने किया आजाद

तेलिन, एस्टोनिया । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले जारी है यहां की एक ख्यात डॉक्टर, जिन्होंने मारियुपोल में युद्ध के बाद के हालात से जुड़ा एक वीडियो बनाया था, उन्हें रूस की सेना ने तीन महीने तक बंदी बनाए रखने के बाद मुक्त कर दिया है। यूलिया पाइवस्का को यूक्रेन में तायरा के नाम से जाना जाता है। उन्होंने एक कैमरे का इस्तेमाल करते हुए रूस और यूक्रेन के सैनिकों सहित अन्य घायलों को बचाने के लिए दो सप्ताह तक अपनी टीम द्वारा किए गए प्रयासों का वीडियो बनाया था। तायरा ने 15 मार्च को यह वीडियो एपी के पत्रकारों के हवाले कर दिया था। एपी की जांच के अनुसार, तायरा और उनके एक सहयोगी को 16 मार्च को रूस की सेना ने बंदी बना लिया था और उसी दिन सिटी सेंटर में रूस द्वारा किए गए हवाई हमले में लगभग 600 लोग मारे गए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने राष्ट्र के नाम दिए एक संबोधन में तायरा की रिहाई की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं इसके लिए काम करने वाले सभी लोगों का आभारी हूं। तायरा घर पहुंच चुकी हैं। हम सभी लोगों को मुक्त कराने की दिशा में काम करते रहेंगे।

पाक ने 34 में 32 शर्तें पूरी कीं, ग्राउन्ड वेरीफिकेशन के बाद अगली बैठक में लेंगे ग्रे लिस्ट से निकालने का फैसला: एफएटीएफ

इस्लामाबाद । फाइनेंशियल एक्शन टास्ट फोर्स (एफएटीएफ) ने पाकिस्तान को इस बार भी ग्रे लिस्ट में बरकरार रखा है। एफएटीएफ ने कहा पाकिस्तान ने 34 शर्तों में से 32 को पूरा किया है और बाकी की दो को लेकर अनुपालन रिपोर्ट सौंपी है। हमारी टीम पाकिस्तान का दौरा कर उनके वादों का ग्राउंड वेरिफिकेशन करेगी। उसके बाद ही फरवरी 2023 में होने वाली अगली बैठक में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से बाहर निकालने पर फैसला किया जाएगा। इस बयान के बाद पाकिस्तान में जमकर खुशिया मनाई जा रही हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एफएटीएफ के हालिया फैसले को लेकर अपनी पीठ खूब थपथपाई। इमरान खान ने कहा कि एफएटीएफ ने फरवरी 2018 में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाला था। उसके बाद हमें किसी भी देश को दी गई अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण कार्ययोजना को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जब मेरी सरकारी सत्ता में आई तो हमें एफएटीएफ की काली सूची में आने की गंभीर आशंका का सामना करना पड़ा। एफएटीएफ के साथ हमारा पिछला अनुभव भी सही नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि मैंने अपनी सरकार में मंत्री हम्माद अजहर की अध्यक्षता में एक एफएटीएफ समन्वय समिति का गठन किया। समिति में हमारी एफएटीएफ कार्य योजना से संबंधित सभी सरकारी विभागों और सुरक्षा एजेंसियां शामिल थीं। एफएटीएफ की ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए अधिकारियों ने पहली बार दिन-रात काम किया। इमरान ने दावा किया कि एफएटीएफ ने बार-बार काम और मेरी सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति की प्रशंसा की।

इमरान खान ने कहा कि हमने न केवल ब्लैकलिस्टिंग को टाला, बल्कि 34 में से 32 एक्शन आइटम को भी पूरा किया। हमने अप्रैल में शेष 2 बिंदुओं पर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसके आधार पर एफएटीएफ ने अब पाकिस्तान की कार्य योजना को पूर्ण घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि मुझे विश्वास है कि हमारी कार्य योजना पर पूर्ण कार्य की पुष्टि करने के लिए एफएटीएफ टीम का ऑनसाइट दौरा भी सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा। उन्होंने हम्माद अजहर, उनकी एफएटीएफ समन्वय समिति के सदस्य और इस कार्य पर काम करने वाले अधिकारियों की जमकर तारीफ की। इमरान ने कहा कि सभी अधिकारियों और कमेटी के सभी सदस्यों ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे देश को आप पर गर्व है।

अमेरिका में आई विशाल बादलों की सुनामी का वीडियो देख डरे लोग

वॉशिंगटन। अमेरिका के ओहियो प्रांत में बादलों की विशाल सुनामी का एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। यह वीडियो ओहियो के सिनसिनाटी से सटे एक इलाके का बताया जा रहा है। वीडियो में दिखाई दे रहे बादलों के डरावने झुंड सुनामी की लहरों की तरह चलते दिखाई दे रहे हैं। इस अद्वितीय वीडियो को देखने के बाद लोग भी कुछ क्षण के लिए भ्रमित हो गए। उन्हें लगा कि शायद सच में आसमान में लहरें उठ रही हैं, लेकिन वह तो बादलों की अनोखी चाल थी। हाल ही में शेयर किए गए इस वीडियो को सोशल मीडिया में लगभग 10 लाख बार देखा जा चुका है। इन अजीबोगरीब विशाल बादलों ने पूरे क्षेत्र में सुनामी का डर फैला दिया। इस वीडियो को एक स्थानीय निवासी ने अपने मोबाइल से शूट किया और ट्विटर पर शेयर कर दिया। जिसके बाद से सोशल मीडिया में यह वीडियो चर्चा का विषय बन गया। इस वीडियो को सबसे पहले रेडिट पर शेयर किया गया था। इस पोस्ट का कैप्शन था कि मुझे ऐसा लग रहा था कि यह सुनामी है, मैंने पहले कभी इस तरह के बादल नहीं देखे। रेडिट पर भी इसे 10 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस दुर्लभ मौसमी घटना को रोलिंग क्लाउड या आर्कस क्लाउड कहा जाता है। मौसम विभाग के अनुसार आर्कस क्लाउड के साथ आमतौर पर शक्तिशाली गरज, तेज आंधी वाली हवाएं, भारी बारिश या गरज और बिजली जरूर आती है। ऐसे में उस इलाके में आम जनजीवन को काफी नुकसान पहुंचता है।

सांसद बेरा ने किया गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव शुरू करने का स्वागत

वाशिंगटन । भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव शुरू किए जाने का स्वागत किया है। इस कार्यक्रम का मकसद महात्मा गांधी और डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत और उनके जीवन का अध्ययन करके सामाजिक न्याय एवं नागरिक अधिकारों को आगे ले जाने के लिए भारत और अमेरिका के युवा नेताओं को साथ लाना है। प्रतिनिधि सभा के दिवंगत सदस्य जॉन लुइस ने इसका समर्थन किया था। बेरा ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस में सबसे अधिक समय तक सेवाएं देने वाले भारतीय-अमेरिकी सदस्य होने के नाते मैं इस बात को लेकर बहुत उत्साहित हूं कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव की आधिकारिक रूप से शुरूआत की, जिसे दिवंगत महान सांसद जॉन लुइस ने समर्थन दिया था। बेरा अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सबसे अधिक समय तक सेवाएं देने वाले भारतीय अमेरिकी हैं। बेरा ने कहा कि गांधी और डॉ. किंग ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्होंने नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। गांधी और डॉ. किंग की विरासतों की खोज करके, यह विनिमय कार्यक्रम भारत और अमेरिका में युवा नेताओं को इन मूल्यों को भावी पीढ़ियों के लिए आगे बढ़ाने में सशक्त बनाएगा। गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज इनिशिएटिव भारत और अमेरिका के लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगा।

यूएसएड प्रमुख भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे से मिले

वाशिंगटन । अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिका एजेंसी (यूएसएड) की प्रशासक और बाइडन प्रशासन की एक शीर्ष अधिकारी सामंथा पावर ने लोकतंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता निखिल डे से मुलाकात की। पावर ने भारत में मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) और नेशनल कैंपेन फॉर पीपुल्स राइट टू इंफॉर्मेशन (एनसीपीआरआई) के संस्थापक सदस्य निखिल डे से मुलाकात की। डे ओपन गवर्नमेंट पार्टनरशिप स्टीयरिंग कमेटी के पूर्व सदस्य भी हैं। दोनों के बीच यहां बैठक हुई। एक बयान में कहा गया है कि पावर और डे ने भारत और दुनिया भर में लोकतंत्र और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की।

यूक्रेन की राजधानी कीव के मायखाइलिवस्का स्कायर में ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर ज़ेलेंस्की युद्ध में नष्ट हुए रुसी सैन्य वाहनों और हथियारों की एक प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

संसद परिसर में अवैध रुप से प्रवेश करने पर सात लोगों को गिरफ्तार किया

वाशिंगटन । अमेरिका की कैपिटल (संसद परिसर) पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि अधिकारियों ने गुरुवार रात कांग्रेस कार्यालय की इमारत में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले सात लोगों को गिरफ्तार कर उन पर गैर-कानूनी प्रवेश का आरोप तय किया है। नाम न जाहिर करने की शर्त पर उक्त मामले से परिचित एक व्यक्ति ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों ने कहा था कि उनका संबंध सीबीएस के एक कार्यक्रम लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट से है। एक अन्य व्यक्ति ने उन नौ लोगों की सूची प्रदान की, जिन्हें पुलिस ने रोका था। इनमें 'ट्रंफ द इंसल्ट कॉमिक डॉग' के निर्माता रॉबर्ट स्मिगेल सहित कई अन्य निर्माता शामिल थे। यह घटना गुरुवार रात संसदीय समिति द्वारा छह जनवरी 2021 को कैपिटल परिसर में हुई हिंसा की जांच करने वाली तीसरी जन सुनवाई के बाद हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्हें रात लगभग साढ़े आठ बजे लॉन्गवर्थ हाउस ऑफिस में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा अधिकारियों ने छठी मंजिल पर सात व्यक्तियों को देखा, जो बिना पहचान पत्र और सुरक्षा घेरे के वहां मौजूद थे। इमारत आगंतुकों के लिए बंद थी और इन लोगों को दिन में ही इमारत से निकलने का निर्देश दिया गया था।

तेल के खेल में होगा बदलाव, अब भारत ने रूस को दिया ये बड़ा ऑफर

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत और रूस के बीच दोस्ती के कई नए पहलू सामने आए हैं। अमेरिका जैसे ताकतवर देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने ताल्लुकात और ज्यादा मजबूत किए हैं। अब इस दोस्ती में एक ऐसा मुकाम आ सकता है जो अपने आप में बड़ी बात होगी। अब भारत रूस के साथ अपने व्यापार को और भी ज्यादा रफ्तार देने की योजना बना रहा है। भारत ने रूस के सामने रुपये में व्यापार करने का प्रस्ताव रखा है। दरअसल, भारत ने रूस से तेल और हथियारों के खरीद की बात रखी है। इस मामले से वाकिफ एक शख्स ने ब्लूमबर्ग को ये बात कही है। शख्स के मुताबिक भारत की रूस के सरकारी नियंत्रण वाले वीटीबी बैंक पीजेएससी और सबरबैंक पीजेएससी में जमा लगभग 2 अरब डॉलर के इस्तेमाल की योजना है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक जल्द ही भारत और रूस के बैंक के अधिकारियों की मुलाकात होने वाली है। जिसमें दोनों देशों के बीच होने वाले व्यापार की पेमेंट की मैकेनिज्म पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान भारत रूस के सामने रुपये में पेमेंट का प्रस्ताव रख सकता है। यानी भारत रूस के साथ जो भी खरीद करेगा उसका भुगतान रुपये में ही होगा। इससे पहले अमेरिकी पाबंदियों के चलते दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए रुपया-रूबल समझौता किया गया था। लेकिन युद्ध के बाद लगी पाबंदियों के

चलते रूस की करेंसी रूबल की पोजीशन स्थिर नहीं है। इसलिए भारत इस व्यापार को भारत की मुद्रा यानी रुपये में करने पर जोर दे रहा है।

रूस के सस्ते तेल से भारत को मदद मिल सकती है। मार्च 2022 को खत्म हुए वित्त वर्ष में भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा 6.61 अरब डॉलर का रहा. दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 13.1 अरब डॉलर का है। भारत अपना बहीखाता ठीक करने के लिए फार्मास्युटिकल्स, प्लास्टिक और केमिकल जैसे उत्पादों के निर्यात पर जोर दे रहा है। भारत, रूस के हथियारों का दुनिया में सबसे बड़ा खरीदार है। इसी वजह से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया लगातार भारत पर दबाव बना रहे हैं कि वह रूस का तेल नहीं खरीदे।

काबुल :सिख गुरुद्वारा रोड पर हुए दो विस्फोट, पूरे इलाके को किया गया सील

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को एक सिख गुरुद्वारे के पास एक व्यस्त सड़क पर कम से कम दो विस्फोट हुए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। टोलो न्यूज ने धमाके का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया कि विस्फोट काबुल के कार्ते परवान इलाके में हुआ। कार्ते परवान गुरुद्वारा उसी क्षेत्र में स्थित है। फिलहाल विस्फोट में मारे गए लोगों की संख्या पता नहीं चल पाई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने ट्वीट किया, हम काबुल शहर में एक पवित्र गुरुद्वारे पर हुए हमले की घटना से बहुत चिंतित हैं। हम स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और आगे की घटना के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

चीन की स्थानीय समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से कहा, हमने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब छह बजे कार्ते परवान इलाके में विस्फोट की आवाज सुनी। पहले विस्फोट के लगभग आधे घंटे के बाद दूसरा विस्फोट हुआ। फिलहाल पूरे इलाके को सील कर दिया गया है।

उसने बताया कि सुरक्षा बलों ने एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी है। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, विस्फोट के कारण आसमान में धुएं का गुबार फैल गया। हमले के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। उसने कहा, विस्फोट में बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की आशंका है। सुरक्षा बलों द्वारा चेतावनी के लिए कई गोलियां दागी गईं। हालांकि, धमाकों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सिख समुदाय के नेताओं का अनुमान है कि तालिबान शासित अफगानिस्तान में सिर्फ 140 सिख बचे हैं, जिनमें से ज्यादातर पूर्वी शहर जलालाबाद और राजधानी काबुल में हैं।

ब्रिटिश सरकार के द्वारा, जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की मंजूरी दे दी

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटिश सरकार ने जासूसी के आरोपों में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने की मंजूरी दे दी है। हालांकि वह इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि गृह मंत्री प्रीति पटेल ने प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इससे पहले ब्रिटेन की अदालत ने अप्रैल में व्यवस्था दी थी कि असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। गृह विभाग ने कहा कि ब्रिटेन की अदालतों ने यह नहीं पाया है कि ''असांजे का प्रत्यर्पण दमनकारी, अन्यायपूर्ण या प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। अमेरिका भेज जाने से बचने के लिए असांजे की वर्षों तक चली कानूनी लड़ाई में यह एक बड़ा मोड़ है। हालांकि असांजे के प्रयासों का यह अंत नहीं है और उनके पास इसके खिलाफ अपील करने के लिए 14 दिन का समय है। ब्रिटेन के एक न्यायाधीश ने अप्रैल में असांजे के प्रत्यर्पण को मंजूरी देकर अंतिम निर्णय सरकार पर छोड़ दिया था। यह निर्णय ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय तक पहुंची कानूनी लड़ाई के बाद आया। अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि असांजे ने गोपनीय राजनयिक केबल और सैन्य फाइल चुराने में अमेरिकी सेना के खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग की मदद की, जिन्हें बाद में विकीलीक्स ने प्रकाशित किया, जिससे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ गया।

भारत के प्रति नहीं बदलेगी पाकिस्तान की नीति, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी का बयान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि भारत के प्रति उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। नयी दिल्ली के साथ संबंध पुनर्स्थापित करने की विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के जोरदार हिमायत करने पर स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करते हुए यह कहा गया। पाकिस्तान ने जोर देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को गलत रूप में पेश किया गया। बिलावल ने बृहस्पतिवार को कहा था कि भारत के साथ संबंध तोड़ना पाकिस्तान के हित में नहीं होगा क्योंकि इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ चुका है।

बिलावल की टिप्पणी पर मीडिया में आई खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, ''भारत के प्रति पाकिस्तान की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और इस पर राष्ट्रीय आमराय है।

पाकिस्तान ने सदा ही भारत सहित अपने सभी पड़ोसियों के साथ सहयोगी संबंधों की इच्छा जताई है। हमने जम्मू कश्मीर विवाद सहित सभी लंबित मुद्दों के हल के लिए सार्थक और नतीजे देने वाली वार्ता की हिमायत की है। '' बयान में कहा गया है कि बिलावल की टिप्पणी की संदर्भ से हट कर व्याख्या की गई और उसे गलत रूप में पेश किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्थक और नतीजे देने वाली वार्ता के लिए उपयोगी माहौल बनाने के वास्ते आवश्यक कदम उठाने की जिम्मेदारी भारत की है।

पाक आतंकी मक्की को वैश्विक आतंकी घोषित करने में चीन ने डाला अडंगा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रस्ताव को रोकने के अपने कदम का शुक्रवार को बचाव किया। चीन ने कहा उसका यह कदम संबद्ध प्रक्रिया एवं नियमों के अनुरूप है। मक्की, लश्कर ए तैयबा के सरगना एवं मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार है।

भारत और अमेरिका 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अल कायदा प्रतिबंध समिति' के तहत मक्की को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित कराने के लिए संयुक्त प्रस्ताव लाए थे, लेकिन पाकिस्तान के करीबी सहयोगी चीन ने आखिरी क्षणों में इसे रोक दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि मैं कहना चाहूंगा कि चीन आतंकवाद के सभी स्वरूपों का विरोध करता है और यूएनएससी में 1267 समिति में हमारे द्वारा की जाने वाली कार्रवाई ने हमेशा ही संबद्ध प्रक्रिया एवं नियमों का पालन किया है।

उन्होंने कहा चीन एक रचनात्मक और जिम्मेदाराना रवैये के साथ अपना कार्य जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने विशेष रूप से प्रक्रिया और नियमों के बारे में विस्तार से बताने के लिए आग्रह करने पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा मैं चीन का रुख पहले ही स्पष्ट रूप से साझा कर चुका हूं। मैं उससे पीछे नहीं हटूंगा। वहीं, नई दिल्ली में सरकारी सूत्रों ने कहा कि चीन का यह फैसला आतंकवाद का मुकाबला करने के उसके दावे के विपरीत है और उसके दोहरे मापदंड का संकेत देता है।

सूत्रों ने कहा ऐसे खूंखार आतंकवादियों को प्रतिबंधों से बचाना न केवल चीन की साख को कमजोर करेगा, बल्कि आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच उसे भी इस 'जोखिम' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मक्की, भारत खासकर जम्मू-कश्मीर, में हिंसा और हमलों को अंजाम देने के लिए योजना बनाने, धन जुटाने, गुर्गों की भर्ती करने और युवकों को कट्टरपंथी बनाने जैसे कृत्य में संलिप्त रहा है।

बीजिंग में, यह पूछे जाने पर कि क्या मक्की पर चीन के इस कदम से भारत और उसके (चीन के) बीच मतभेद पैदा होगा, वेनबिन ने कहा मैं चीन का रुख पहले ही बता चुका हूं और जहां तक चीन-भारत संबंध की बात है, हमारा रुख स्पष्ट और

पहले जैसा है। उन्होंने कहा हमें उम्मीद है कि भारत और चीन साथ मिल कर काम कर सकते हैं और संबंधों को अधिक मजबूत तथा स्थिर बना सकते हैं। इससे पहले भी चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को प्रतिबंधित सूची में डालने की भारत और इसके सहयोगियों की कोशिशों को बाधित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू कश्मीर पुलिस के सब इंस्पेक्टर की हत्या, आतंकवादियों ने घर में गोली मारकर की हत्या

श्रीनगर। जम्मू - कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों ने एक पुलिस अधिकारी की उसके घर में गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक फारूक अहमद मीर पर हमला शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि पंपोर इलाके के संबूरा में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि मीर सीटीसी लेथपोरा में आईआरपी 23वीं बटालियन में तैनात थे।

ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग की पूजा के अधिकार के लिए 11 लाख मन्दिरों में किया जाएगा विशेष अनुष्ठान

वाराणसी । वाराणसी में ज्ञानवापी का मुद्दा चर्चा में है। कोर्ट में कानूनी लड़ाई के बीच अब सन्त भी इस मुद्दे को लेकर मुखर हो गए हैं। ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग की पूजा के अधिकार के लिए संतों ने शुक्रवार से आंदोलन का अनोखा तरीका अपनाया है। वाराणसी के गौरी केदारेश्वर मन्दिर में केदारेश्वर को आदि विशेश्वर मानकर संतों ने उनकी पूजा की है। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने पूरे विधि विधान से बाबा के जलाभिषेक के साथ उनकी पूजा की।

उल्लेखनीय है कि ज्ञानवापी के वजुखाने में मिले शिवलिंग की नियमित पूजा का अधिकार मिले इसके लिए मन्दिरों में पूजा की जा रही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बताया कि आज से इस अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत हम लोग देशभर के 11 लाख स्थानों पर मन्दिरों में आदि विशेश्वर का स्वरूप मान कर पूजा अनुष्ठान करेंगे। जिसमे 7 लाख गांव और 4 हजार मुहल्ले शामिल हैं। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग के पूजा के लिए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने हाल में ही 108 घण्टे अनशन किया था। इसके बाद अब इस लड़ाई में जीत के लिए शुक्रवार से काशी में नए आंदोलन की शुरुआत हुई है। ज्ञानवापी के वजुखाने में मिले शिवलिंग की पूजा के लिए कोर्ट में भी याचिका दाखिल है। इससे इतर भी कई मुद्दों को लेकर कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। जिपसर 4 जुलाई को वाराणसी कोर्ट ने सुनवाई के लिए तारीख मुकर्रर की है।

भ्रष्ट अफसरों पर बड़ा आयकर विभाग का एक्शन, कानपुर, लखनऊ, दिल्ली और बंगाल के ठिकानों पर की छापेमारी

लखनऊ । इनकम टैक्स विभाग ने उत्तर प्रदेश के उन सरकारी अफसरों के खिलाफ छापेमारी की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिनके खिलाफ सरकारी योजनाओं में सेंध लगाकर भ्रष्टाचार करने के आरोप हैं। यह छापेमारी यूपी के शहरों ही नहीं, बल्कि दिल्ली और कोलकाता में भी चल रही है। इस रेड की चपेट में आने वाले यूपी के अधिकारियों में उद्योग और उद्यमिता विभाग के बड़े अधिकारी शामिल हैं, जिनके ठिकानों पर रेड मारी जा रही है। आईटी विभाग ने तीन दिनों के इस सर्च अभियान को 'ऑपरेशन बाबू साहेब' का नाम दिया है। इसके तहत उन आरोपी अधिकारियों पर नकेल कसी जा रही है, जो सरकारी योजनाओं में घोटाले कर रहे हैं। ऐसे अफसरों में यूपी के वरिष्ठ नौकरशाह जैसे उपायुक्त राजेश यादव, प्रवीण सिंह, उद्योग विभाग के एक मैनेजिंग डायरेक्टर आदि के नाम शामिल हैं। लखनऊ, कानपुर के साथ ही इन अफसरों के दिल्ली और कोलकाता स्थित ठिकानों पर भी छापे मारे गए हैं। बताया जा रहा है कि आईटी विभाग के रडार पर ऐसे एक दर्जन से ज्यादा अफसर हैं, जो भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते छापेमारी के शिकार होने वाले हैं। इस अभियान को तीन दिनों तक जारी रखा जाने वाला है, यानी शुक्रवार से रविवार तक रेड डाली जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले गोल्डन बास्केट फर्म से जुड़े अंचित मंगलानी और प्रतिभा यादव के आवासों पर भी रेड डाली थी। इसके बाद से ही यूपी के अफसरों में बेचैनी देखी जा रही है।

10 लाख का जुर्माना लगाने के बाद सतर्क हुई एयर इंडिया, ग्राहकों की संतुष्टि पर दे रही विशेष ध्यान

नई दिल्ली । डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के बाद एयर इंडिया काफी सतर्क हो गया है। यह एयरलाइन सिंपलफ्लाइंग की रिपोर्ट के आधार पर अपने कस्टमर्स की संतुष्टि के लिए अपनी सेवाओं में कई बदलाव करने की योजना बना रही है। टाटा ग्रुप के मैनेजमेंट ने एयर इंडिया के टेकओवर के समय कहा था कि कंपनी अपने कस्टमर्स सेवाओं में सुधार के लिए कुछ अहम बदलाव करेगी. मैनेजमेंट ने कहा था कि कंपनी टिकट बुकिंग से लेकर ऑनबोर्ड उड़ान सेवाओं तक सभी चीजों में सुधार करेगी। ग्राहकों की संतुष्टि मामले में एयर इंडिया का खराब रिकॉर्ड अप्रैल के आधिकारिक आंकड़ों से साफ होता है। इस एविएशन कंपनी में प्रति 10 हजार ग्राहकों पर 2.4 शिकायतें दर्ज की गईं। वहीं, इंडिगो और विस्तारा को प्रति 10 हजार यात्रियों पर महज 0.1 शिकायतें मिलीं। 27 जनवरी, 2022 से एयर इंडिया को टाटा ग्रुप के हवाले कर दिया गया था। एयर इंडिया में सुधार के मकसद से कंपनी वोलंटरी रिटायरमेंट स्कीम (वीआरएस) भी पेश कर चुकी है। जब एयर इंडिया को टाटा ग्रुप के हवाले किया गया था, उस समय टाटा संस के चेयरमैन एमिरेटस रतन टाटा ने एयर इंडिया के नए पैसेंजर्स का स्वागत किया था। उन्होंने अपने ऑडियो मैसेज में कहा था, टाटा ग्रुप आराम और सर्विस मामले में एयर इंडिया को पैसेंजर्स का पसंदीदा बनाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्साहित है.5 टाटा ग्रुप के गुट में एयर इंडिया के आने के बाद से इस कंपनी में कई तरह की हलचल मची हुई है। हालांकि, एयर इंडिया को पसंदीदा एयरलाइन बनने का लक्ष्य हासिल करना बाकी है। डीजीसीए ने हाल ही में वैध टिकट के बावजूद पैसेंजर्स को बोर्डिंग से इनकार करने पर एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। उन पैसेंजर्स को आवश्यक मुआवजा नहीं देने के कारण कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। साथ ही, इस मामले में व्यक्तिगत सुनवाई भी की गई थी।

78 फीसदी लोगों ने माना यह उनके जीवन की सबसे भीषण गर्मी

नई दिल्ली । मौसम विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों ने बताया कि इस साल भारत के बड़े हिस्सों में देखी गई हीटवेव भयानक रही है, लेकिन यह हाल के इतिहास में भारत द्वारा झेली गई सबसे खराब स्थिति नहीं है। रिकॉर्ड के लिए, उत्तर भारत के कई हिस्सों में देखा गया 44 डिग्री से अधिक तापमान 10 वर्षों में सबसे खराब रही है। तो अगर आप विशेषज्ञ की राय से जाते हैं, तब हीटवेव भयंकर थी, लेकिन उतनी खराब नहीं जितना भारत ने अतीत में देखा है। आम लोगों के लिए, मौसम विशेषज्ञों के बयान कोई सांत्वना नहीं हैं, क्योंकि वे एक ऊर्जा की कमी वाली गर्मी की लहर से पीड़ित हैं। आश्चर्य नहीं कि अधिकांश भारतीयों की राय है कि वे वर्तमान में जिस हीटवेव का सामना कर रहे हैं, वह उनके जीवन में सबसे खराब अनुभव है। इस मुद्दे पर जनता की भावनाओं का आकलन करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण से यह बात सामने आई है। सर्वे नमूने के माध्यम से किया गया था और इसमें सभी शिक्षा, आय और जातीय श्रेणियां शामिल थीं। सर्वे के नतीजों के मुताबिक, कुल मिलाकर 78 फीसदी लोगों की राय थी कि यह उनके जीवन की सबसे भीषण गर्मी है। केवल 22 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भावना को साझा नहीं किया।

काबुल में गुरुद्वारे पर हमले को लेकर भारत चिंतित, जानिए विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

नयी दिल्ली। भारत ने शनिवार को कहा कि वह काबुल में एक गुरुद्वारे पर हुए हमले की खबरों से बहुत चिंतित है और स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'हम काबुल में एक पवित्र गुरुद्वारे पर हुए हमले की खबरों से बेहद चिंतित हैं।' उन्होंने कहा, 'हम स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और घटना के बारे में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' बागची अफगानिस्तान में गुरुद्वारे पर कथित हमले को लेकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

शेख हसीना ने राष्ट्रपति पीएम मोदी को गिफ्ट में भेजे एक मीट्रिक टन आम

नई दिल्ली । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 'आम-हिलसा कूटनीति' को जारी रखते हुए, शुक्रवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक मीट्रिक टन 'आम्रपाली' आम भेजे। बांग्लादेश उच्चायोग की ओर से यहां जारी एक बयान के मुताबिक, हसीना ने राजनयिक माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को यह अनोखा उपहार भेजा है। प्रधानमंत्री हसीना ने पिछले साल भी कोविंद, मोदी और पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और असम के मुख्यमंत्रियों को उपहार के तौर पर आम भेजे थे। उच्चायोग के बयान में कहा गया है कि पिछली परंपरा को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री हसीना ने राष्ट्रपति कोविंद और प्रधानमंत्री मोदी को उपहार के रूप में एक मीट्रिक टन 'आम्रपाली' आम भेजे हैं। 'आम्रपाली' आम 1971 में शुरू की गई एक आम की विशेष खेती है। बता दें कि इसी साल भारतीय सेना की मदद से बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बना था। आम की बात करें तो इसे दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में डॉ पीयूष कांति मजूमदार द्वारा 'दशेरी' और 'नीलम' की एक संकर किस्म के रूप में विकसित किया गया था। तब से इस आम को पूरे भारत में खेतों और बागों में पेश किया गया है।

शरद पवार के बाद फारूक अब्दुल्ला ने भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से किया इनकार, बोले- एक महत्वपूर्ण मोड़ से गुजर रहा जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का उम्मीदवार बनने से इनकार कर दिया है। आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी की अगुआई में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी दलों की बैठक हुई थी। इस बैठक में आम आदमी पार्टी, शिअद, बीजद और टीआरएस को छोड़कर तमाम विपक्षी पार्टियों ने हिस्सा लिया था। जिनका स्वागत खुद ममता बनर्जी ने किया।

इस बैठक का उद्देश्य राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष के एक संयुक्त उम्मीदवार का चयन करना था लेकिन यह बैठक बेनतीजा रही और इसमें विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार चुना नहीं जा सका। लेकिन खबर सामने आई कि ममता बनर्जी ने शरद पवार के इनकार करने के बाद फारूक अब्दुल्ला और महाराष्ट्र गांधी के पोते गोपाल कृष्ण गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा। हालांकि कहा जाता है कि वामदलों ने सर्वप्रथम गोपाल कृष्ण गांधी के नाम का प्रस्ताव रखा था। लेकिन शरद पवार और फारूक अब्दुल्ला ने अपना नाम वापस ले लिया।

फारूक अब्दुल्ला नहीं बनेंगे उम्मीदवार

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि मैं भारत के राष्ट्रपति के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम विचार से वापस लेता हूं। मेरा मानना ??है कि जम्मू-कश्मीर एक महत्वपूर्ण मोड़ से गुजर रहा है और इस अनिश्चित समय में मदद करने के लिए मेरे प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मेरे आगे बहुत अधिक सक्रिय राजनीति है और मैं जम्मू-कश्मीर और देश की सेवा में सकारात्मक योगदान देने के लिए तत्पर हूं। मेरा नाम प्रस्तावित करने के लिए मैं ममता दीदी का आभारी हूं। मैं उन सभी वरिष्ठ नेताओं का भी आभारी हूं जिन्होंने मुझे अपना समर्थन दिया।

राजनाथ सिंह ने की थी बात

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्षी दलों का मन टटोलने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे समेत कई नेताओं से बातचीत की। हालांकि विपक्ष की तरफ से अभी तक राष्ट्रपति उम्मीदवार का नाम तय नहीं हो पाया है।

आपको बता दें कि भाजपा ने राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा को एनडीए और यूपीए के सहयोगियों के साथ बातचीत करने के लिए नियुक्त किया है। राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों के साथ-साथ एनडीए में शामिल दलों के साथ भी बातचीत की। जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक शामिल हैं।

कब होगा राष्ट्रपति चुनाव ?

चुनाव आयोग ने राष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जिसके मुताबिक, देश के अगले महामहिम को चुनने के लिए 18 जुलाई को वोट डाले जाएंगे। जबकि 21 जुलाई को चुनाव के नतीजे सामने आएंगे और देश को नए महामहिम मिलेंगे। इस चुनाव में सांसदों और विधायकों वाले निर्वाचक मंडल के 4,809 सदस्य मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के उत्तराधिकारी का चुनाव करेंगे।

मुंबई में हो सकती है अगली बैठक

ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विपक्षी दलों की पहली बैठक बुलाई थी। जिसमें 17 पार्टियों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में एनसीपी प्रमुख शरद पवार मुंबई में 20-21 जून को अगली बैठक बुला सकते हैं। जहां पर विपक्ष के संभावित उम्मीदवार पर चर्चा हो सकती है।

अग्निपथ पर सोनिया का देश के युवाओं को संदेश, बोलीं- अहिंसक ढंग से करें आंदोलन, आपके साथ है कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। सशस्त्र बलों में भर्ती की नई %अग्निपथ% योजना पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्षा सोनिया गांधी का बयान सामने आया है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे दुख है कि केंद्र सरकार ने आपकी आवाज को नजरअंदाज किया और एक नई योजना की घोषणा की जो पूरी तरह से दिशाहीन है... दरअसल, अग्निपथ योजना के खिलाफ देशभर में युवाओं का प्रदर्शन चल रहा है। जिसने हिसंक रूप ले लिया है। इसका सबसे ज्यादा प्रभार बिहार में दिखाई दिया है।

कांग्रेस अध्यक्षा ने युवाओं को संबोधित करते हुए पत्र लिखा कि आप भारतीय सेना में भर्ती होकर देशसेवा का महत्वपूर्ण कार्य करने की अभिलाषा रखते हैं। सेना में लाखों खाली पद होने के बावजूद पिछले 3 साल से भर्ती न होने का दर्द मैं समझ सकती हूं। एयरफोर्स में भर्ती की परीक्षा देकर रिजल्ट व नियुक्ति का इंतजार कर रहे युवाओं के साथ भी मेरी पूरी सहानुभूति है।

उन्होंने कहा कि मुझे दुःख है कि सरकार ने आपकी आवाज को दरकिनार करते हुए नई आर्मी भर्ती योजना की घोषणा की, जो कि पूरी तरह से दिशाहीन है। आपके साथ-साथ कई पूर्व

सैनिक व रक्षा विशेषज्ञों ने भी इस योजना पर सवाल उठाए हैं। इसी बीच सोनिया गांधी ने प्रदर्शन कर रहे युवाओं के प्रति पार्टी का समर्थन जताया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपेक साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और इस योजना को वापस करवाने के लिए संघर्ष करने व आपके हितों की रक्षा करने का वादा करती है। हम एक सच्चे देशभक्त की तरह सत्य, अहिंसा, संयम व शांति के मार्ग पर चलकर सरकार के सामने आपकी आवाज उठाएंगे। मैं आपसे भी अनुरोध करती हूं कि अपनी जायद मांगों के लिए शांतिपूर्ण व अहिंसक ढंग से आंदोलन करें। कांग्रेस आपके साथ है।

देशहित में नहीं है योजना

इसी बीच कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अग्निपथ योजना पर बयान दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना युवकों के लिए सही नहीं है। साथ ही साथ देश के हित में भी नहीं है। अगर आप एक युवक को 4 साल की ट्रेनिंग देने के बाद उसे घर भेज देते हैं तो वो युवक अब क्या करेगा ?

अग्निपथ योजना के हिंसक प्रदर्शन की जांच के लिए एसआईटी गठन की मांग, शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सेना में सैन्य भर्ती की केंद्र की नई योजना 'अग्निपथ' को लेकर पूरा देश उबल रहा है उग्र प्रदर्शन जारी है। इन प्रदर्शनों की विशेष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में शनिवार को याचिका दायर हुई है। इसमें विशेष जांच टीम गठित करने की मांग की गई है। साथ ही इस हिंसक प्रदर्शन के दौरान रेलवे समेत सार्वजनिक संपत्तियों को हुए नुकसान की जांच की भी मांग है।

केंद्र सरकार की सैन्य भर्ती की नई योजना 'अग्निपथ' के खिलाफ विभिन्न राज्यों में व्यापक हिंसक प्रदर्शन और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान न सिर्फ कानून के मूल सिद्धांतों बल्कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न फैसलों के जरिये जारी निर्देशों के भी खिलाफ है। ऐसे हिंसक प्रदर्शनों पर अतीत में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी थी, 'किसी को भी कानून का स्वयंभू संरक्षक बनने और दूसरों पर कानून की अपनी व्याख्या जबरन, खासकर हिंसक तरीकों से थोपने का अधिकार नहीं है।' इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने पिछले कुछ वर्षों में कुछ महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए हैं, जिनमें संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों में शामिल संगठनों के नेताओं पर अभियोग चलाना, ऐसी घटनाओं पर हाई कोर्टों से स्वतः संज्ञान लेने के लिए कहना और पीड़ितों को मुआवजा प्रदान करना शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में जबकि सरकारी नीतियों, फिल्मों के प्रदर्शन, सामाजिक कार्यक्रमों आदि को निशाना बनाने वाली हिंसा की घटनाओं में व्यापक वृद्धि हुई है, ऐसे में शीर्ष अदालत ने अधिकारियों से सार्वजनिक और निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

ट्रेन रदद होने पर आसान तरीकों से रिफंड हो जाएगा आपका पूरा पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र की मोदी सरकार की अग्निपथ स्कीम का विरोध कर रहे उपद्रवियों के निशाने पर सबसे ज्यादा भारतीय रेलवे है। स्कीम लांच होने के बाद अब तक देश के अलग-अलग राज्यों में ट्रेन की बोगियां फूंक दी गई हैं तो काउंटर और पटरियों पर भी तोड़फाड़ किया गया है। इसकारण रेलवे को कई ट्रेनें रद्द करनी पड़ी है। ट्रेनों के रद्द होने से यात्री परेशान हैं, तब वहीं टिकट के पैसे यानी रिफंड को लेकर भी चिंताएं हैं। बहरहाल, हम आपको बताते हैं कि ट्रेन के रद्द होने के बाद टिकट रिफंड का क्या तरीका है। अगर आपने ऑनलाइन ट्रेन टिकट की बुकिंग की है, तब रिफंड के लिए ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। रेलवे नियमों के मुताबिक ट्रेन के रद्द होने की स्थिति में ऑटोमेटिक ऑनलाइन टिकट कैंसिल होता है, और रिफंड के पैसे आपके बैंक खाते में भेज दिया जाएगा।वहीं अगर आपने काउंटर टिकट की बुकिंग कराई है, तब इसके लिए नजदीकी काउंटर पर जाकर फॉर्म सब्मिट करना होगा। हालांकि, हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर या आईआरसीटीसी की वेबसाइट विजिट कर भी काउंटर टिकट कैंसिल करा सकते हैं, लेकिन रिफंड के पैसे लेने के लिए काउंटर पर जाना ही होगा। बता दें कि काउंटर टिकट लेते वक्त फॉर्म में मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड करना जरूरी है, क्योंकि कैंसिलेशन के वक्त ओटीपी उसी रजिस्टर्ड नंबर पर भेजा जाता है। अगर ट्रेन 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है और पैसेंजर यात्रा नहीं करता है, तब आप टिकट जमा करने की रसीद (टीडीआर) सब्मिट कर रिफंड ले सकते है। यह प्रक्रिया काउंटर के अलावा आईआरसीटीसी की वेबसाइट या एप पर पूरी करनी होगी।

कोरोना ने पकड़ी रफ्तार, 113 दिन बाद आए 13 हजार से अधिक मामले

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में एक दिन में कोविड-19 के 13,216 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,32,83,793 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 68,108 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अद्यतन आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। 113 दिनों में यह पहली बार है, जब देश में संक्रमण के 13,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में बीते 24 घंटे में संक्रमण से 23 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,24,840 हो गई।

मंत्रालय ने बताया कि देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 68,108 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.16 प्रतिशत है। वहीं, मरीजों के संक्रमण मुक्त होने की राष्ट्रीय दर 98.63 प्रतिशत तो कोविड-19 मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 5,045 की बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 2.73 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 2.47 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,26,82,697 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,26,90,845 हो गई है।

वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देशभर में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 196 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

देश में बिजली की मांग बढ़ी, आपूर्ति के लिए कोयला मंत्रालय को उठाने होंगे अहम कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भीषण गर्मी के बीच देश में बिजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। मांग को पूरा करने के लिए विदेशों में शिपमेंट की आवश्यकता बढ़ रही है। ऐसे में कोयला मंत्रालय द्वारा सभी बिजली उपयोगिताओं के लिए केंद्रीकृत आयात किया जाना चाहिए, क्योंकि यह दक्षता लाएगा और लागत को कम करेगा। यह बात संबंधित मामले के दो जानकार सूत्रों ने बताई। सूत्रों ने कहा कि बिजली मंत्रालय में एक विचार उभर रहा है कि कोयला मंत्रालय को कमी से निपटने के लिए सूखे ईंधन के आयात की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली पैदा करने वाली कंपनियां अपनी मासिक जरूरत कोयला मंत्रालय को दे सकती हैं, जो बदले में कोल इंडिया को सभी आयातों के लिए नोडल एजेंसी बनने का निर्देश दे सकती है।

कोल इंडिया लिमिटेड ने हाल के दिनों में अपनी आपूर्ति के लिए कोयले के आयात के लिए टेंडर जारी किया है। राज्यों और बिजली उत्पादकों को भी ऐसा करने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने कहा कि पूरी प्रक्रिया को मानकीकृत और सुव्यवस्थित करने की जरूरत है, ताकि कोयले की आवश्यकता बिना किसी देरी या बिजली आउटेज की आशंका के पूरी हो सके। एक सूत्र ने कहा कि कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया के पास विशेषज्ञता और अनुभव है। इसलिए उन्हें पूरे बिजली क्षेत्र की ओर से कोयले के आयात की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और संयंत्र तक कोयले की डिलीवरी की व्यवस्था करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि कोयले का थोक ऑर्डर देश को बेहतर सौदेबाजी की शक्ति प्रदान करेगा और लागत को कम करने में मदद करेगा, उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन कंपनियों को बिजली उत्पादन की लागत कम करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में कोयले के आयात की जिम्मेदारी अलग-अलग बिजली उत्पादक कंपनियों पर है। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कोल इंडिया की देखरेख में महीने दर महीने संयुक्त आदेश इस मुद्दे को लंबे समय तक हल कर सकते हैं। कोल इंडिया इस विषय का विशेषज्ञ है और उसे कोयला सप्लाई की जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा वहन करना चाहिए और जेनको को बिजली उत्पादन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए कोल इंडिया जैसी एजेंसी की विशेषज्ञता भारतीय बिजली क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

कोल इंडिया लिमिटेड का घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। भारत के कोयला भंडार में तीव्र गर्मी की लहर के बीच बिजली की अभूतपूर्व मांग के मद्देनजर सरकार ने 28 अप्रैल को बिजली संयंत्रों को अपनी बिजली उत्पादन आवश्यकताओं के लिए 10 प्रतिशत आयातित कोयले का उपयोग करने के लिए कहा था। बिजली मंत्रालय ने बीते 18 मई को एक और नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया था कि बिजली कंपनियों को घरेलू कोयला आवंटन जुलाई से कम कर दिया जाएगा, अगर वे 15 जून तक 10 प्रतिशत आयातित कोयले का उपयोग शुरू नहीं करते हैं। भारत का एफवाई 23 कोयला आयात 186 मिलियन टन होने की उम्मीद है। इसमें से 130 मीट्रिक टन गैर-कोकिंग कोयला है, जिसका मुख्य रूप से बिजली उत्पादन के लिए थर्मल कोयले के रूप में उपयोग किया जाता है। इस महीने की शुरुआत में पहली बार कोल इंडिया ने घरेलू कोयला आपूर्ति श्रृंखला में कमी को पूरा करने के लिए केंद्र के निर्देश के मद्देनजर बिजली पैदा करने वाली कंपनियों (जेनकोस) के लिए आयातित कोयले की खरीद के लिए एक टेंडर जारी किया। इसने जुलाई से सितंबर 2022 की अवधि के लिए 24 लाख टन (एमटी) कोयले की आपूर्ति के लिए बोली लगाने का आह्वान किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत डिंडोली में फायरिंग मामले में कुख्यात उन्माद दुक्कर गैंग के सदस्य गंगवार में भरी पिस्टल के साथ पकड़े गए.

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली क्षेत्र की एक सड़क पर रात्रि में नीले और काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर उन्माद दुक्कर गिरोह के सदस्यों ने शिकायतकर्ता पर तलवार और चाकू से फायरिंग की और हवा में फरार हो गए. अपराध शाखा भगोड़ों को पकड़ने के लिए हाई अलर्ट पर थी, जिन्हें एक गुप्त सूचना पर एक भरी हुई पिस्तौल के साथ पकड़ा गया था।

क्राइम ब्रांच को मिली जानकारी के अनुसार आरोपी वैभव राजेंद्र उर्फ राजू पाटिल व जयेश उर्फ बरकू पाटिल को डिंडोली खरवासा रोड वेदांता फार्म हाउस से लोडेड पिस्टल के साथ ही जिंदा कारतूस नंबर 01 के साथ ही पल्सर मोटरसाइकिल व मोबाइल भी छीन लिया. फ़ोन। उन्माद दुक्कर गैंग के सागरित इंति दयावान पाटिल और लालू नाओ का लाजपुर जेल में झगड़ा हुआ था और आरोपी ने कबूल किया कि लालू का बदला लेने के लिए वादी को मारने के इरादे से तलवार और छुरा घोंपकर गोली मारकर वह फरार हो गया था।

गिरफ्तार आरोपी के पास से लोडेड पिस्टल नंबर 01, जिसकी अनुमानित कीमत रु 25000 और कार्ट्रिज नंबर 01 की कीमत 300 रुपये के साथ पल्सर मोटरसाइकिल की कीमत लगभग 30,000 रुपये और मोबाइल फोन की कीमत लगभग 10000 रुपये है,

गुजरात का पहला बहुपरत और बहु-दिशा रेलवे ओवरब्रिज / फ्लाई ओवरब्रिज सूरत में सहारा दरवाजा में बनाया गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत: सूरत-मुंबई पश्चिम रेलवे पर सूरत-मुंबई पश्चिम रेलवे और सूरत-बारडोली रोड पर कर्णिमाता जंक्शन पर 12.50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से फ्लाईओवर का उद्घाटन 19 जून को एमपी सीआर पाटिल द्वारा किया जाएगा. 5:00 सायं। उद्घाटन समारोह कडोडोरा से सहारा दरवाजा के पास अवध टेक्सटाइल मार्केट में होगा.

मां एक शब्द भर नहीं, यह जीवन की वह भावना है जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास, सब कुछ समाहित : मोदी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीराबेन मोदी का 100वां जन्मदिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मौके पर गांधीनगर में अपनी मां का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे हैं। मां के जन्मदिन पर भावुक पीएम मोदी ने अपने ब्लॉग में अपनी मां हीराबेन के जीवन से जुड़े उन सभी अनुभवों को लोगों के सामने पेश किया है, जिन्होंने उनके जीवन को गढ़ने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। पीएम मोदी ने लिखा है कि 'मां केवल एक शब्द नहीं है। यह जीवन की वह भावना है जिसमें स्नेह, धैर्य, विश्वास, कितना कुछ समाया होता है। दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है। मां, सिर्फ हमारा शरीर ही नहीं गढ़ती बल्कि हमारा मन, हमारा व्यक्तित्व, हमारा आत्मविश्वास भी गढ़ती है। और अपनी संतान के लिए ऐसा करते हुए वह खुद को खपा देती है, खुद को भुला देती है।'

शक्तिपीठ पावागढ़ में कालिका माता के नवनिर्मित मंदिर के स्वर्ण शिखर पर मोदी ने किया ध्वजारोहण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज सदियों के बाद मां कालिका के मंदिर पर ध्वजारोहण का यह अवसर हम सभी को नई प्रेरणा और ऊर्जा देने के साथ ही आध्यात्म की हमारी महान परंपरा को समर्पित भाव से जीने के लिए प्रेरित भी करता है। उन्होंने कहा कि बरसों पहले स्वामी विवेकानंद भी महाकाली का आशीर्वाद प्राप्त कर जन सेवा से प्रभु सेवा में लीन हो गए थे। उसी तरह, महाकाली ने मुझे ऊर्जा, त्याग और समर्पण के साथ देश के जन-जन का सेवक बनकर सेवा करने का आशीर्वाद दिया है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को गुजरात के शक्तिपीठ पावागढ़ में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में कालिका माता के नवनिर्मित मंदिर के स्वर्ण शिखर पर ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर माता के दरबार से संतों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि, ''आज कई वर्षों के बाद मुझे पावागढ़ महाकाली के चरणों में आकर कुछ पल बिताने का, आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। मेरा जीवन धन्य हो गया है। सपना जब संकल्प बनता है और वह सिद्ध होता है, तो आनंद प्राप्त होता है। आज का पल मेरे अंतर्मन को विशेष आनंद से भर रहा है।'' मोदी ने कहा कि पांच शताब्दी के बाद महाकाली के शिखर पर ध्वजा चढ़ी है। यह क्षण हमें प्रेरणा और ऊर्जा देता है, साथ ही महान परंपरा और संस्कृति के प्रति समर्पित भाव से जीने को प्रेरित करता है। आज से कुछ दिनों के बाद इसी महीने में गुप्त नवरात्रि है। गुप्त नवरात्रि से पहले पावागढ़ में महाकाली का मंदिर भव्य और दिव्य स्वरूप में हम सभी के सामने है। शक्ति और साधना की यही विशेषता है। गुप्त नवरात्रि है, लेकिन शक्ति सुप्त और लुप्त नहीं होती। जब श्रद्धा, साधना और तपस्या फलित होती है, तो शक्ति अपने पूर्ण वैभव के साथ प्रकट होती है। पावागढ़ में मां काली के आशीर्वाद से इसी शक्ति को प्रकट होते हुए देख रहे हैं। सदियों बाद महाकाली का यह मंदिर विशाल स्वरूप में हमारे सामने हमारे मस्तक को ऊंचा करता है। उन्होंने कहा कि आज सदियों बाद पावागढ़ मंदिर में एक बार फिर शिखर पर ध्वज फहरा रहा है। यह शिखर ध्वज केवल आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह इस बात का भी प्रतीक है कि सदियां बदलती हैं, युग बदलते हैं, लेकिन आस्था का शिखर शाश्वत रहता है। अयोध्या हो या काशी या फिर केदारनाथ, आज आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर फिर से जीवंत हो रही है।